राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 340
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
रविवार 02 नवंबर 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 नोएडा में डंपर ने 3 युवकों को कुचला, मौत
पेज 4 तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न 34 शिकायतें दर्ज
पेज 6 हार का दर्द झेला है, अब जीत की खुशी का इंतजार: भारतीय

संक्षिप्त खबरें

कोलकाता में सीबीआई अधिकारी बनकर 3 करोड़ रुपये की ठगी

कोलकाता। कोलकाता के बेहला पर्णश्री इलाके में एक वृद्ध दंपती को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर तीन करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने पति-पत्नी को मोबाइल पर इस कदर डराया-धमकाया कि वे अपने ही घर में खुद से दो सप्ताह तक बंधक बने रहे। साइबर अपराधियों ने अपना परिचय सीबीआइ, ईडी व अन्य केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारियों के तौर पर देते हुए कहा था कि उनके नाम से एक पार्सल मिला है, जिसमें मादक पदार्थ हैं। इसके बाद पहले सख्त कानूनी कार्रवाई का भय दिखाया और बाद में इससे बचाने के लिए रुपये की मांग की गई।

5 करोड़ रुपये के ड्रग्स बरामद; तीन तस्कर नामजद

प्रतापगढ़। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में चल रहे ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हथुनिया थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी के दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 5 करोड़ कीमत की 2 किलो 227 ग्राम एमडी (सिंथेटिक ड्रग) बरामद की। जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस उप अधीक्षक गजेन्द्र सिंह राव के निर्देशन में टीम बागलिया-बरोठा रोड पर नाकाबंदी कर रही थी। इस दौरान एक बिना नंबरी अपाचे मोटरसाइकिल बागलिया की ओर से आती दिखी।

दुलारचंद हत्याकांड- अनंत सिंह आधी रात को बाढ़ से गिरफ्तार

150 से ज्यादा पुलिसकर्मी घर पहुंचे; पटना एसएसपी बोले- मर्डर के वक्त मौजूद थे बाहुबली

पटना। मोकामा में आरजेडी नेता दुलारचंद की हत्या के मामले में पटना पुलिस ने देर रात बाहुबली अनंत सिंह को उनके घर से गिरफ्तार किया है। रात में करीब 150 पुलिस वालों के साथ टीम अनंत सिंह के बाढ़ थाना क्षेत्र के बेढ़ना में कारगिल चौक स्थित घर पहुंची थी। इसे पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा लीड कर रहे थे। पुलिस ने अनंत सिंह को घर से उठाया और पटना लेकर आई।

गिरफ्तारी के दौरान अनंत सिंह के पीछे 6 गाड़ियां चल रही थीं। अनंत सिंह सुबह से अपने समर्थकों के साथ चुनाव प्रचार कर रहे थे। गिरफ्तारी के दौरान भी वे सफेद पैंट और शर्ट में चश्में के साथ ही नजर आए।

मोकामा से JDU उम्मीदवार अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर जनसुराज पार्टी के मोकामा से उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी ने कहा, यह एक अच्छा कदम है, लेकिन अगर वे पहले कार्रवाई करते तो अच्छा होता। आज वह 50 वाहनों के काफिले में घूम रहे थे और चुनाव प्रचार में भी शामिल हुए।

जब उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी, तो उन्हें पहले ही गिरफ्तार कर लिया जाना चाहिए था, लेकिन देर आए दुरुस्त आए।

अब महत्वपूर्ण यह है कि पुलिस पूरे मामले की जांच कैसे करती है। यह उनके परिवार के लिए राहत की बात है।

30 अक्टूबर को जनसुराज के कैंडिडेट के प्रचार के दौरान आरजेडी नेता दुलारचंद (76) की हत्या हुई थी।

आंध्र प्रदेश के वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़, 10 की मौत

एकादशी पर ज्यादा भीड़ से रेलिंग टूटी; महिलाएं और बच्चे चिल्लाते रहे

श्रीकाकुलम। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित काशीबुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को एकादशी के दौरान भगदड़ मचने से 10 लोगों की मौत हो गई। इनमें 8 महिलाएं और 2 बच्चे हैं। 25 से ज्यादा लोगों का इलाज चल रहा है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार मंदिर पहली मंजिल पर है, जिसका आने-जाने का रास्ता एक ही है। आज भारी भीड़ के दौरान रास्ता जाम हो गया। लोगों की धक्का-मुक्की की वजह से रेलिंग टूट गई। इससे भगदड़ मच गई।

पुलिस को जानकारी नहीं दी गई थी

श्रीकाकुलम के एसपी केवी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि यह मंदिर निजी जमीन पर बना है. मंदिर के संचालक ने प्रशासन या पुलिस को आज के कार्यक्रम की कोई सूचना नहीं दी थी. अगर पहले बताया जाता तो सुरक्षा के इंतजाम किए जा सकते थे।

सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। एसपी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि मंदिर के प्रशासक हरिमुकुंद पांडा पर 'गैर-इरादतन हत्या' (आईपीसी की धारा 304) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

4 महीने पहले ही बना है मंदिर

13 एकड़ में फैला यह मंदिर 4 महीने पहले ही दर्शन के लिए खोला गया था। इसका निर्माण 95 साल के हरिमुकुंद पांडा ने करवाया है। इसका डिजाइन तिरुपति तिरुमला श्री वेंकटेश्वर मंदिर से प्रेरित है।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर ट्रेनिंग का विरोध

बीएलओ बोले- प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्थाएं ठीक नहीं, ट्रेनिंग को ऑन ड्यूटी नहीं मान रही सरकार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के लिए शनिवार को बीएलओ का ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किया। इस दौरान कई बीएलओ ने प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्थाओं का विरोध किया।

उन्होंने उचित दस्तावेज और सुरक्षा देने की मांग की है। बीएलओ का कहना है कि ट्रेनिंग के दौरान उनके स्कूलों में उपस्थिति दर्ज नहीं की जा रही है और बीएलओ के रूप में उनकी ड्यूटी को ऑन ड्यूटी नहीं माना जा रहा है। बीएलओ ने मांग की है कि आयोग में उनकी ट्रेनिंग और फील्ड वर्क को ड्यूटी माना जाए और इसके लिए जरूरी कागजात जारी किए जाएं। आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने ट्रेनिंग का कोई वैध प्रमाण-पत्र या दस्तावेज नहीं दिया, जिससे वे अपने विभाग में उपस्थिति सिद्ध कर सकें।

दुर्गापुर के उप-मंडलीय कार्यालय में भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन किए गए। वहां बीएलओ ने सामूहिक रूप से असंतोष जताया। दरअसल, राज्य में एसआईआर 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर किया जाना है। इस दौरान बूथ स्तर अधिकारी घर-घर जाकर वोटर्स का सत्यापन और फॉर्म भरने का काम करेंगे। बीएलओ की ट्रेनिंग 3 नवम्बर तक चलेगी।

नागपुर एयरपोर्ट पर यात्री से 5 करोड़ की मारिजुआना बरामद

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर के डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एयर कस्टम्स और एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने एक यात्री को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से करीब 5 किलो मारिजुआना (गांजा) बरामद हुआ। इसकी कीमत 5 करोड़ बताई जा रही है। राजस्व खुफिया निदेशालय के मुताबिक मामला 31 अक्टूबर का है। आरोपी (27) उल्हासनगर का रहने वाला है। वो दोहा से यहां आया था।

फाईनल मुकाबला

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर और दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के फाइनल क्रिकेट मैच से पहले ट्रॉफी के साथ पोज़ देती हुई।

रायपुर एयरपोर्ट पर संदिग्ध बैग मिलने से मचा हड़कंप

नई दिल्ली। राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में शनिवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब एंट्री गेट पर एक संदिग्ध बैग मिला। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल सतर्कता बरतते हुए क्षेत्र को घेर लिया और डाग स्क्वाड एवं सीआइएसएफ जवानों को बुलाया गया। जानकारी के अनुसार, लेजर मशीन से बैग की जांच की गई। जांच के दौरान एक युवक वहां पहुंचा और बताया कि वह बैग उसी का है, जो गलती से वहीं छूट गया था। जवानों ने पुष्टि के बाद बैग को उसे वापस सौंप दिया।

इंदौर के केमिकल गोडाउन में दो महिलाएं जिंदा जलीं

एकादशी पर पूजा के लिए जलाए गए दीपक से आग भड़की; बच्चों ने भागकर जान बचाई

इंदौर। इंदौर में एक केमिकल गोडाउन में आग लग गई। इसमें दो महिलाएं जिंदा जल गईं। महिलाओं ने एकादशी पर दीया जलाया था। इससे उनकी साड़ी में आग लग गई। इसके बाद आग तेजी से भड़कीं। वहां मौजूद दो बच्चे जान बचाकर बाहर भागे।

घटना शनिवार शाम राऊ के पास आरआर कैट रोड पर स्थित एक गोडाउन की है। आग लगने से वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

थिनर स्टोर होता था

जिस गोडाउन में आग लगी वहां थिनर स्टोर होता था। फैक्ट्री का नाम स्वास्तिक इंटरप्राइजेज केमिकल है। फैक्ट्री में आग शाम को करीब 6.30 बजे लगी। 7.45 बजे आग बुझाई गई। एसडीईआरएफ और पुलिस ने की टीम ने रेस्क्यू किया। इस दौरान दो महिलाओं की डेड बॉडी बरामद की गई।

ऐसे लगी गोडाउन में आग

इंदौर जोन-1 के डीसीपी कृष्ण लालचंदानी के अनुसार चश्मदीदों ने बताया कि देवउठनी ग्यारस की पूजा के लिए दीया जलाया था। इसी से थिनर ने आग पकड़ ली। चूंकि महिलाएं गोडाउन के अंदर थीं तो बाहर नहीं निकल पाईं। गोडाउन में मौजूद बच्चे बाहर भागे, उन्हीं ने इस घटना की पुष्टि की।

हैप्पी मॉर्निंग

एक औरत ने मंदिर में अपने पति
के लिए मन्नत मांग कर धागा बांधा
फिर सोच कर एकदम से धागा
वापस खोल दिया पति- धागा क्यों
खोल दिया? पत्नी- आपके लिए
मन्नत मांगी थी कि आपकी
सारी मुसीबतें दूर हो जाएं,
फिर ख्याल आया कही
मैं ही न निपट
जाऊं....

शायरी

भूख खेतों में खड़ी है जेब में
महँगाई-बंद
शहर और बाज़ार में गल्ला कहीं
मिलता नहीं

महाराष्ट्र डॉक्टर सुसाइड केस में एसआईटी गठित

तुरंत जांच करने के आदेश; सिविल अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर ने आत्महत्या की थी

सातारा। महाराष्ट्र की महिला डॉक्टर सुसाइड केस की जांच के लिए शनिवार को एसआईटी गठित की गई। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इसके आदेश दिए। एसआईटी को लीड महिला आईपीएस अधिकारी करेंगीं। टीम को तत्काल प्रभाव से जांच के आदेश दिए हैं।

महिला डॉक्टर सातारा जिले के फलटण सिविल अस्पताल में पदस्थ थी। उसने 23 अक्टूबर को फलटण के ही एक होटल में सुसाइड किया था। उसने आरोप लगाया था कि एक सांसद उसके दो क्क सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदने पर आरोप लगाए थे कि ये लोग उस पर फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने का दबाव बनाते थे।

हथेली पर लिखे सुसाइड नोट में डॉक्टर ने आरोप लगाया था कि गोपाल ने 5 मही में उसका 4 बार रेप भी किया था।

जिस घर में वो रहती थी उसके सॉफ्टवेयर इंजीनियर बेटे प्रशांत बांकर ने उसका मानसिक शोषण किया था। सातारा पुलिस ने 25 अक्टूबर को प्रशांत को गिरफ्तार किया था।

वहीं, 25 अक्टूबर की रात को फरार चल रहे सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदने ने फलटण ग्रामीण पुलिस थाने में सरेंडर किया था। दोनों आरोपी इस वक्त पुलिस रिमांड में हैं। उन पर रेप और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप हैं।

सिंगर गैरी संधू विवादों में

लुधियाना। पंजाबी सिंगर गैरी संधू विवाद में घिर गए हैं। 4 दिन पहले अमेरिका के कैलिफोर्निया में लाइव शो के दौरान उन पर हिंदू देवी-देवताओं के भजन का अपमान करने का आरोप है। उन्होंने भजन को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ जोड़कर गाया- चलो बुलावा आया है ट्रंप ने बुलाया है। इसके बाद लोगों में नाराजगी फैल गई। शिव सेना पंजाब के नेता भानू प्रताप ने कहा कि गैरी संधू ने भजन को ट्रंप के साथ जोड़कर हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने बताया कि तरनतारन में जो उपचुनाव हो रहा है, वहां समस्त हिंदू समाज भी पहुंच रहा है। गैरी संधू की ये हरकत सभी हिंदू नेताओं के समक्ष रखेंगे। इसके बाद फैसला लेंगे कि गैरी संधू का किस तरह से विरोध किया जाए।

राजस्थान में 108 साल बाद सबसे ज्यादा बारिश

हिमाचल में तापमान -1.2 डिग्री; देश में कड़ाके की सर्दी में देर

नई दिल्ली। राजस्थान में 108 सालों के बाद 2025 में सबसे ज्यादा बारिश हुई है। राज्य में जुलाई से सितंबर तक, 715.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। इससे पहले साल 1917 में मानसून सीजन के दौरान सबसे ज्यादा 844.2 बारिश हुई थी।

हिमाचल प्रदेश में भी बारिश ने अक्टूबर महीने में नए रिकॉर्ड बनाए। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, हिमाचल में इस साल अक्टूबर में 2005 के बाद सबसे ज्यादा बारिश, 68.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। यह सामान्य औसत 25.1 मिमी से 173 प्रतिशत ज्यादा है।

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, हिमाचल में 4 नवंबर और 5 नवंबर को बारिश या बर्फबारी की संभावना है। राज्य के ताबो और कुकुमसेरी में तापमान माइनस में चला गया है। शनिवार को कुकुमसेरी का न्यूनतम तापमान माइनस 1.2 डिग्री और ताबो का माइनस 0.8 डिग्री दर्ज हुई। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने शुक्रवार को दिल्ली में एक ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस साल देशभर में कड़ाके की सर्दी देर से आ सकती है। नवंबर में देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से ज्यादा या सामान्य बारिश हो सकती है। ला नीना प्रभाव में देरी इसकी मुख्य वजह है।

मौसम विभाग ने बताया कि प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय हिस्से में कमजोर ला नीना की स्थिति बनी हुई है। यह स्थिति दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 तक बनी रह सकती है। ला नीना प्रभाव में समुद्र का पानी सामान्य से ठंडा होता है।

आईएमडी के अनुसार, नवंबर महीने में देश के ज्यादातर हिस्सों में दिन का तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है, जबकि रातें सामान्य से गर्म महसूस होंगी।

अर्थसार

सेंसेक्स:
83,938.71
-465.75 (0.55%)
निफ्टी:
25,722.10
-155.75

मौसम

अधिकतम		: 30 डिग्री से0
न्यूनतम		: 17 डिग्री से0
सूयोदय	सोमवार	: 6 : 37
सूर्यास्त	रविवार	: 5 : 48

4 साल बाद फिर सरकार जम्मू से चलेगी

6 लाख कर्मचारी श्रीनगर से शिफ्ट होंगे; 3 नवंबर से काम शुरू करेंगे, 6 महीने रहेंगे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में 'दरबार मूव' की 150 साल पुरानी परंपरा 4 साल बंद रहने के बाद इस बार फिर लौटी है।

शुक्रवार को सरकारी दफ्तर बंद होने के बाद सामान और कर्मचारियों के श्रीनगर से जम्मू रवाना होने का सिलसिला शुरू हो गया। सरकारी कार्यालय 3 नवंबर से जम्मू में काम शुरू करेंगे और 6 महीने वहीं रहेंगे।

सीएम सचिवालय और सिविल सचिवालय के सभी अन्य विभागों सहित कुल 39 कार्यालय पूरी तरह जम्मू भेजे जाएंगे, 47 विभाग कैंप के रूप में भेजे जाएंगे।

जो विभाग कैंप के तौर पर जाएंगे, वे अपने कुल कर्मचारियों के 33 प्रतिशत या 10 अधिकारियों (जो भी कम हों) के साथ काम करेंगे। गर्मी शुरू होते ही ये दफ्तर फिर कश्मीर लौट आएंगे।

यह परंपरा 2021 में उपराज्यपाल ने रोक दी थी, लेकिन अब सीएम उमर अब्दुल्ला ने इसे फिर शुरू किया है।

इसके साथ करीब 6 लाख कश्मीरी जम्मू जाएंगे, जिससे जम्मू की सर्दियों की अर्थव्यवस्था को फिर से मजबूती मिलेगी।

दूषित खाना

उल्टी और पेट दर्द की शिकायत, 32 बच्चे डिस्चार्ज , 20 का इलाज जारी

तेलंगाना के स्कूल में दूषित खाने से 52 छात्र हुए बीमार

हैदराबाद। तेलंगाना के गडवाल जिले में स्थित बीसी रेजिडेंशियल बॉयज स्कूल में शुक्रवार रात खाना खाने के बाद 52 छात्र बीमार पड़ गए। शुरुआत में बच्चों को 108 एम्बुलेंस में ही प्राथमिक इलाज दिया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर सभी को जिला मुख्यालय के सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी को उल्टी और पेट दर्द की शिकायत हुई।

अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, हॉस्टल में कुल 140 बच्चों की क्षमता है, जिनमें से शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे हॉस्टल में 110 छात्रों ने रात का खाना खाया। रात में पत्तागोभी और फूलगोभी की सब्जी के साथ चावल परोसे गए थे। खाना खाने के कुछ समय बाद 52 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई।

सूचना मिलते ही पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बीमार बच्चों को इलाज के लिए गडवाल अस्पताल भेजा गया।

अस्पताल प्रशासन ने बताया कि शनिवार सुबह तक 32 बच्चों को डिस्चार्ज कर दिया गया है, जबकि 20 छात्र अब भी निगरानी में हैं।

अलमपुर के विधायक विजयुडू शनिवार सुबह अस्पताल पहुंचे और बच्चों व उनके माता-पिता से मुलाकात की।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी को बेहतर इलाज मिलेगा। अधिकारियों से कहा कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए सख्त कदम उठाए जाएं।

जांच के लिए सैंपल भेजे गए

जिला कलेक्टर ने बताया कि सभी छात्रों को इलाज के लिए तुरंत अस्पताल भेजा गया। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि भोजन में इस्तेमाल किए गए अंडों पर भी संदेह है। अगर सैंपल उपलब्ध हुए तो उन्हें जांच के लिए खाद्य निरीक्षक को भेजा जाएगा।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने स्कूल के खाने के सैंपल को जांच के लिए दिया है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी और शिक्षा विभाग की टीम ने स्कूल का दौरा किया और देखा कि रसोई कितनी साफ है और खाना कैसे बनाया जा रहा है।

स्कूल प्रबंधन को निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में खाने की गुणवत्ता और सफाई पर पूरी सतर्कता बरती जाए।

संपादकीय

किसानों को मुआवजे में मिले सिर्फ 3 रुपये, 'कृषि प्रधान' भारत एक धोखा

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

भारत को हमेशा से कृषि प्रधान देश कहा जाता है। स्वतंत्रता के बाद के दशकों से ही यह नारा गूंजता रहा है कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ किसान हैं। लेकिन क्या वाकई ऐसा है? हाल ही में महाराष्ट्र के अकोला जिले से निकली एक खबर ने इस दावे को झुठला दिया है। भारी बारिश से फसलों के बर्बाद होने पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को मुआवजे में मात्र 3 रुपये से लेकर 21 रुपये तक ही मिले। यह राशि इतनी हास्यास्पद है कि किसान इसे अपमान मानकर चेक लौटा आए। क्या यह %कृषि प्रधान% भारत का चेहरा है? या फिर यह एक ऐसा धोखा है, जो सालों से किसानों को लूटता चला आ रहा है? इस घटना ने पूरे देश में आक्रोश पैदा कर दिया है। आइए, इस मुद्दे को गहराई से समझें।

सबसे पहले घटना का विवरण। सितंबर 2025 में महाराष्ट्र के अकोला जिले में भारी बारिश ने तबाही मचा दी। सोयाबीन, कपास और मूंग जैसी फसलों के खेत पानी में डूब गए। लाखों किसानों का पूरा साल का मेहनत का फल मिट्टी में मिल गया। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत इन्हें मुआवजा मिलना था। यह योजना 2016 में शुरू हुई थी, जिसका दावा है कि प्राकृतिक आपदाओं से फसल नुकसान पर किसानों को तुरंत आर्थिक सहायता मिलेगी। लेकिन हकीकत में क्या हुआ? दिनोदा, कवसा और कुटासा गांवों के किसानों के बैंक खातों में 3.50 रुपये, 5.20 रुपये या अधिकतम 21.85 रुपये की राशि जमा हुई। एक किसान ने तो गुस्से में कहा, हमारी फसलें बर्बाद हो गईं, और सरकार हमें चाय का एक कप भी नहीं खरीदने लायक पैसे दे रही है। यह मजाक नहीं, अपमान है। नाराज किसानों ने जिला कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया और चेक लौटा दिए। किसान संगठनों ने मांग की कि मुआवजे के आंकड़ों की समीक्षा हो और वास्तविक नुकसान के आधार पर उचित राशि दी जाए।

यह पहली घटना नहीं है। भारत में किसानों की दशा हमेशा से ही दयनीय रही है। 2025 में भी जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा और असमय बारिश जैसी आपदाएं बढ़ रही हैं। लेकिन सरकारी योजनाएं कागजों पर ही सिमटी नजर आती हैं। PMFBY के तहत बीमा प्रीमियम का बड़ा हिस्सा सरकार वहन करती है, लेकिन दावों का निपटारा इतना जटिल है कि किसान सालों इंतजार करते रह जाते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो 2024-25 में योजना के तहत मात्र 30 प्रतिशत दावे ही समय पर निपटाए गए। बाकी किसान कागजी कार्रवाई में उलझे रहे। महाराष्ट्र सरकार ने बाद में 2,540 करोड़ रुपये का राहत पैकेज घोषित किया, जिसमें प्रति हेक्टेयर 10 हजार रुपये की सहायता है। लेकिन यह राशि भी देरी से मिलती है और तीन हेक्टेयर की सीमा के कारण छोटे किसानों को पूरा लाभ नहीं मिल पाता। ओडिशा में दूध किसानों को प्रति लीटर 3 रुपये अतिरिक्त देने की घोषणा हुई, लेकिन वह भी केवल सहकारी संघ से जुड़े किसानों तक सीमित है। ऐसे में सवाल उठता है कि कृषि प्रधान का दावा कितना खोखला है?

भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान घटता जा रहा है। 1950-60 के दशक में यह 50 प्रतिशत से अधिक था, लेकिन 2025 तक यह घटकर मात्र 15-16 प्रतिशत रह गया है। इसके बावजूद 60 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। किसान आत्महत्या का सिलसिला थम नहीं रहा। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, हर साल 10-12 हजार किसान कर्ज के बोझ तले जान दे देते हैं। बेमौसम बारिश, कीटनाशकों की बढ़ती कीमतें और बाजार में न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) का अभाव—ये सब मिलकर किसान को बर्बाद कर रहे हैं। सरकार पीएम किसान सम्मान निधि के तहत सालाना 6,000 रुपये (तीन किस्तों में 2,000-2,000) देती है, जो 2025 की 20वीं किस्त में 9.7 करोड़ किसानों के खाते में पहुंचे। लेकिन यह राशि एक किसान परिवार के एक महीने के खर्च का भी नहीं पूरा करती। पेंशन योजना में 60 साल बाद 3,000 रुपये मासिक मिलने का वादा है, लेकिन इसमें निवेश की शर्तें इतनी जटिल हैं कि छोटे किसान इससे वंचित रह जाते हैं।

'कृषि प्रधान' भारत एक धोखा क्यों लगता है? क्योंकि यह नारा सिर्फ चुनावी रैलियों तक सीमित है। वास्तव में, नीतियां कॉर्पोरेट हितों को प्राथमिकता देती हैं। कृषि कानूनों के खिलाफ 2020-21 का किसान आंदोलन इसका प्रमाण है, जहां महीनों की लड़ाई के बाद कानून वापस हुए। लेकिन MSP की गारंटी आज तक नहीं मिली। बहुराष्ट्रीय कंपनियां बीज और खाद पर एकाधिकार चला रही हैं, जबकि किसान मजदूर बनकर रह गए हैं। जलवायु परिवर्तन के दौर में फसल बीमा जैसी योजनाओं को मजबूत करने की जरूरत है, लेकिन बजट में इसका हिस्सा घट रहा है। 2025-26 के केंद्रीय बजट में कृषि के लिए मात्र 1.5 लाख करोड़ रुपये आवंटित हुए, जो GDP का महज 0.5 प्रतिशत है। ऐसे में 3 रुपये का मुआवजा किसानों के घाव पर नमक छिड़कने जैसा है।

इस धोखे को उजागर करने के लिए किसान संगठनों को एकजुट होना होगा। सरकार को तुरंत PMFBY में सुधार करने चाहिए—दावों का निपटारा 30 दिनों में अनिवार्य हो, आकलन पारदर्शी हो और न्यूनतम मुआवजा 10,000 रुपये प्रति हेक्टेयर तय हो। साथ ही, जलवायु अनुकूल कृषि को बढ़ावा देकर किसानों को सशक्त बनाना होगा। युवाओं को कृषि की ओर लौटाने के लिए आधुनिक तकनीक और बाजार लिंकेज जरूरी हैं। अन्यथा, कृषि प्रधान भारत का सपना चूर-चूर हो जाएगा।

किसान देश का अन्नदाता है, लेकिन आज वह भूखा है। 3 रुपये का मुआवजा इस बात का प्रमाण है कि सत्ता के गलियारों में किसानों की आवाज दब रही है। समय आ गया है कि हम इस धोखे से जागें। वरना, हरे-भरे खेत सूने हो जाएंगे।

घोषणा-पत्र : लोकतंत्र का सशक्त हथियार या चुनावी छलावा?

-ललित गर्ग-

बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों ही गठबंधनों ने बढ़-चढ़कर लोकलुभावनी और जनता को आकर्षित या गुमराह करने वाली घोषणाओं से जुड़े चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। इन घोषणा पत्रों में जिस तरह की घोषणाएं की गई हैं, वे निश्चित रूप से अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। यह प्रश्न अब गंभीर हो गया है कि क्या घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ यानी चुनाव का सबसे सशक्त हथियार बन चुके हैं या चुनावी छलावा? निश्चित ही यह जनता को रिझाने और प्रभावित करने का प्रमुख माध्यम बन गया है, परंतु सत्ता में आने के बाद कितने राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा पत्रों का अक्षरशः पालन किया है, यह बड़ा सवाल है। वास्तव में घोषणा पत्र किसी दल का दृष्टिपत्र होता है, जो उसके विचारों, उद्देश्यों और संकल्पों का सार्वजनिक दस्तावेज है। यह बताता है कि दल सत्ता में आने के बाद राज्य या देश की दिशा कैसी तय करना चाहता है, किन मूलभूत समस्याओं का समाधान करना चाहता है और विकास की कौन सी राह पर चलना चाहता है। घोषणा पत्रों में किए गए वादों को लेकर परस्पर विरोधी दलों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तो छिड़ता है, लेकिन उन्हें लेकर वैसी सार्थक बहस नहीं हो पाती, जैसी विकसित देशों में होती है और जिसके आधार पर वहां स्वस्थ जनमत तैयार करने में मदद मिलती है। हैरानी नहीं कि अपने यहां चुनावी घोषणा पत्र अपनी महत्ता खोते जा रहे हैं।

लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है। अधिकांश दल चुनाव जीतने के बाद घोषणा पत्रों को भूल जाते हैं। मतदाता भी अपने वोट के बदले वादों की पूर्ति का हिसाब नहीं मांगते। परिणामस्वरूप घोषणा पत्र एक औपचारिकता और दिखावे का माध्यम बनकर रह गए हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अधिकांश घोषणाओं का पालन आधा-अधूरा ही हुआ है। राजस्थान में पिछली सरकार ने अपने घोषणा पत्र के लगभग 64 प्रतिशत वादे पूरे किए, जबकि कर्नाटक में सिर्फ तीन प्रतिशत वादे ही पूरे हुए। यह आंकड़े बताते हैं कि घोषणा पत्र को गंभीरता से न तो दल लेते हैं, न जनता। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनता अपने प्रतिनिधियों से सवाल करे और जवाब मांगे।

घोषणा पत्रों की एक बड़ी समस्या यह है कि उनमें की गई घोषणाएं वित्तीय दृष्टि से असंभव होती हैं। जनता को खुश करने के लिए ऐसे वादे किए जाते हैं जिनके लिए न तो संसाधन हैं, न कोई ठोस योजना। कोई कानूनी प्रावधान भी नहीं है कि दल अपने वादे पूरे न करने पर जवाबदेह बने। यही कारण है कि चुनाव के बाद घोषणाएं भुला दी जाती हैं। बिहार चुनाव के संदर्भ में देखें तो एनडीए और महागठबंधन दोनों ने अत्यधिक आकर्षक और लोकलुभावन वादों से भरे घोषणा पत्र जारी किए हैं। एनडीए ने अपने 'संकल्प पत्र' में एक करोड़ नौकरियों का वादा किया है, महिलाओं को दो लाख रुपये तक की सहायता, हर जिले में कौशल केंद्र, किसानों के लिए नौ हजार रुपये वार्षिक सम्मान निधि और सात नए एक्सप्रेस-मार्गों के निर्माण की बात कही है। वहीं महागठबंधन ने अपने 'तेजस्वी प्रण' में प्रत्येक परिवार को सरकारी नौकरी देने, महिलाओं को ढाई हजार रुपये मासिक सहायता, पच्चीस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली, किसानों को समर्थन मूल्य की गारंटी और मंडियों की बहाली जैसे बड़े वादे किए हैं। दोनों घोषणाओं में एक बात समान है- वे अत्यधिक महत्त्वाकांक्षी और जन-लोभक हैं। नौकरियों, मुफ्त बिजली, नकद सहायता और भारी निवेश की घोषणाएं सुनने में तो आकर्षक लगती हैं, पर इनकी व्यावहारिकता संदिग्ध है। बिहार जैसे राज्य में, जहां संसाधन सीमित हैं और रोजगार की स्थिति जटिल है, इन वादों को लागू करना आसान नहीं है। घोषणाओं में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इतने बड़े खर्चों का वहन कैसे होगा, कौन-से विभाग या योजनाएं इनका संचालन करेंगे और कब तक परिणाम दिखेंगे।

इन घोषणा पत्रों में जनकल्याण की भावना अवश्य है, परंतु वह यथार्थ से अधिक कल्पना पर आधारित लगती है। बिहार की वास्तविक समस्याएं- शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रवासी मजदूर, कृषि संकट, रोजगार और उद्योगों का अभाव, इनका समाधान केवल लोकलुभावन वादों से नहीं होगा। आवश्यक है कि दल घोषणाएं करने से पहले उनकी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवहार्यता का गंभीर अध्ययन करें। राजनीति में घोषणा पत्रों का उपयोग अब एक चुनावी हथियार के रूप में हो रहा है, न कि जनसेवा की प्रतिबद्धता के रूप में। मतदाता को भी जागरूक होना होगा कि वे केवल वादों से प्रभावित न हों, बल्कि यह जानने की कोशिश करें कि पिछले चुनावों में किए गए वादों में से कौन-से पूरे हुए। मीडिया और सामाजिक संस्थाओं को भी यह दायित्व निभाना चाहिए कि वे चुनावों के बाद घोषणाओं की निगरानी करें, ताकि दल जवाबदेह बने। घोषणा पत्र तभी सार्थक होंगे जब उनमें किए गए वादे मापनीय, समयबद्ध और संसाधन-सिद्ध हों।

दलों को चाहिए कि वे घोषणाओं को नारेबाजी के बजाय ठोस योजनाओं में बदलें। यह भी आवश्यक है कि चुनाव आयोग इस दिशा में कोई नीति बनाए ताकि असंभव और अव्यावहारिक वादों से जनता को भ्रमित न किया जा सके।

ऐसे में विमर्श का विषय यह है कि क्या हमें यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावी घोषणा-पत्र में किए गए वादे को वास्तविक रूप में पूरी तरह से लागू किया जाए? दरअसल चुनावी घोषणा-पत्र अनिवार्य रूप से उन नीतियों की एक सूची है जो एक राजनीतिक दल के द्वारा चुनाव के समय जनता के समक्ष अपने इरादों, उद्देश्यों या विचारों को चुनावी घोषणा-पत्र के रूप में प्रकाशित करती है। मतदान के बाद यदि वह पार्टी सत्ता में आती है तो उन नीतियों पर काम करेगी, ऐसा इसमें कहा जाता है। प्रत्यक्ष रूप से यह चुनाव घोषणा-पत्र एक विजन डाक्यूमेंट है। इसलिए यह घोषणा-पत्र वैधानिक और कानूनी रूप से लागू करने वाला एक योग्य दस्तावेज बनना चाहिए। निश्चित रूप से चुनावी घोषणा-पत्र मतदाताओं के लिए निर्णय लेते समय राजनीतिक दलों के शासन के एजेंडे को उनके विचारों को मापने का एक सशक्त माध्यम है। यह भी कहा जा सकता है कि मतदान लेन-देन के जैसा है। एक बार जब चुनावी वादों पर वोट दिए जाते हैं तो यकीनन इसे एक कानूनी अनुबंध माना जाना चाहिए। जब कोई पार्टी चुनाव जीत कर सत्ता में आती है तो सवाल उठता है कि क्या वह घोषणा-पत्र जो एक अनुबंध का रूप ले चुका है, उसे लागू होना चाहिए या नहीं? जिस सामाजिक अनुबंध सिद्धांत के तहत सरकारें चुनी जाती हैं, क्या किए गए वादों को पूरा करने के संदर्भ में उनकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए? चुनाव आयोग को भी इस बारे में नए सिरे से विचार करना चाहिए, ताकि इसका कुछ ठोस समाधान किया जा सके।

निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ में जनता को प्रभावित करने का सबसे सशक्त माध्यम हैं, परंतु जब तक वे केवल वादों की झड़ी बने रहेंगे और उनके पालन की कोई बाध्यता नहीं होगी, तब तक यह लोकतंत्र की सार्थकता को अधूरा रखेंगे। बिहार के दोनों गठबंधनों के घोषणा पत्र लोकतांत्रिक उत्सव की चमक तो बढ़ाते हैं, पर उनका सच समय के साथ ही सामने आएगा कि वे जनता की उम्मीदों को पूरा करते हैं या सिर्फ चुनावी छलावे साबित होते है।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3698

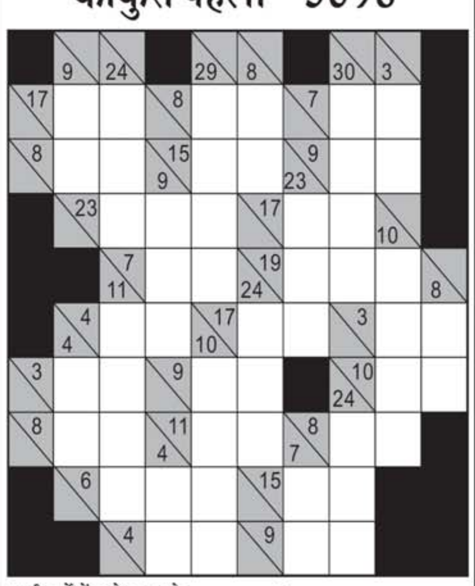

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -3697 का हल

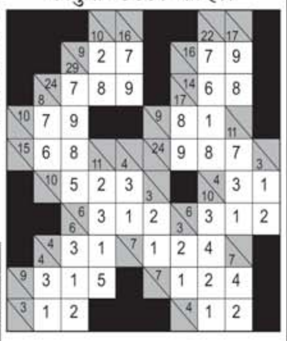

हंसी के फूव्वारें

मियां-बीवी में धन-दौलत की मिल्कियत को लेकर जबरदस्त कहा-सुनी हो गई. बीवी ने गुस्से से कहा, 'तुम्हारा इस घर में है क्या, जो कुछ है, सब मेरे पिता ने दहेज में दिया है.'

संयोगवश उसी रात घर में चोर घुस गए. बीवी की आंख खुल गई. वह मियां को जगाने लगी, 'जल्दी उठो, घर मे चोर घुस आए हैं.'

मियां ने करवट बदलते हुए कहा, 'मै क्यों उठूं, मेरा इस घर में है ही क्या?'

☐ ☐ ☐

जज (अभियुक्त से)- तुम्हारी पहली पत्नी की मौत कार दुर्घटना से हुई थी, जबकि दूसरी पत्नी जहर खाकर मर गई. ऐसा क्यों हुआ?

अभियुक्त (जज से)- दूसरी पत्नी कार चलाना नहीं जानती थी.

☐ ☐ ☐

एक ग्राहक होटल के बैरे से- अरे इस गिलास में पत्ता गिरा है.

बैरा (ग्राहक से) - इसमें कोई ताज्जुब की बात नहीं है, इस शहर में हमारे होटल की कई शाखाएं हैं.

☐ ☐ ☐

रमेश - अरे, आपका लड़का फेल हो गया है और आप मिठाई खिला रहे हो?

नेता जी - पास, फेल क्या मायने रखता है, बहुमत तो इसके साथ है. पचास में से पैतीस बच्चे इसके साथ फेल हुए हैं.

फिल्म वर्ग पहेली - 3698

बायें से दायें:-

१. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और काँटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3697

सूडोकु -3698

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3697 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 3698

बाएँ से दाएँ

1.जानकारी-4
4.मांसाहार का उलट-4
8.'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9.कायाकल्प-5
10.पिता के छोटे भाई-2
13.कहानी लिखने वाला-5
15.नाम रखना-5
17.बेवक्त,अकाल-5
20.प्रयास,कोशिश-5
23.टोंटी,नलका-2
24.कामदेव,पुष्कर-2,3
25.डर,भय-4
28.शोर-शराबा-4
29.बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2.बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3.गोलाकार-3
4.सम्मिलित होना-3,2
5.घाटा,नुकसान-2
6.मूर्ख,बेवकूफ-4
7.बिना कारण,बेवजह-4
11.राजा की पत्नी-2
12.वहम,संदेह-2
14.दुर्घटना-3
16.खाना बनाने की जगह,किचन-3
17.एकाएक, सहसा-4
18.अलमस्त-2
19.कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20.आरामदायी-5
21.सम्मान-2
22.भलमानसता-4
26.सद्,अच्छा-2
27.मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली -3697 का हल

नोएडा में डंपर ने 3 युवकों को कुचला, मौत

एक बाइक पर सवार थे, टक्कर के बाद तीनों टायर के नीचे आए

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में एक बाइक पर सवार तीन दोस्तों को तेज रफ्तार डंपर ने कुचल दिया। हादसे में तीनों की मौके पर मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए।

मौके पर पहुंची पुलिस तीनों को अस्पताल ले गई। वहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। हादसा शनिवार को दादरी थाना क्षेत्र में हायर कंपनी के पास हुआ।

रोहित, मृतक मोंटू, मृतक श्वेत, मृतक

अब पढ़िए पूरा मामला

पुलिस के मुताबिक, बुलंदशहर के थाना सिकंदराबाद के शेरपुर गांव के रहने वाले तीन युवक मोंटू (19), श्वेत (19) और रोहित (20) एक बाइक पर सवार होकर दादरी की जा रहे थे। रोहित फौज भर्ती की तैयारी कर रहा था। इसी को लेकर दौड़ने के लिए जुता लेने जा रहे थे। रोहित अपने दोनों दोस्त श्वेत और मोंटू को साथ ले जा रहा था। तभी हायर कंपनी के पास सामने से आ रहे डंपर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी।

टक्कर में तीनों युवक डंपर के नीचे आ गए। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से भाग गया। परिजन मौके पर पहुंच गए हैं। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा दिया गया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि डंपर रांग साइड में था।

फौज में भर्ती होने के लिए कर रहे थे तैयारी

रोहित का एक भाई बड़ा नितिन है। मोंटू सबसे बड़ा था, उसके छोटे भाई का नाम दीपांशु और बहन का नाम पायल है। श्वेत का केवल एक छोटा भाई स्पर्श है। मोंटू बीए फर्स्ट एयर का छात्र था। श्वेत बीए सेकेंड एयर में पढ़ता था। तीनों ते पिता मजदूरी करते हैं। श्वेत और मोंटू फौज में भर्ती होने के लिए तैयारी कर रहे थे।

तीनों युवक आपस में दोस्त थे

आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए जा रहे है। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के लोग दादरी अस्पताल पहुंचे तो वहां चीख-पुकार मच गई। तीनों युवक आपस में दोस्त थे और अक्सर साथ ही कहीं आते-जाते थे। दादरी थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया- हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया था। पुलिस टीम ने डंपर को जब्त कर चालक को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान मनीष यादव निवासी खारटवा गांव बिहार के रूप में हुई है।

नोएडा में रिटायर्ड आईएएस की विकलांग बहन का उत्पीड़न

भाई की मौत के बाद घर से निकाला, अकाउंट से पैसे निकाले, अब मंदिर में रह रही

नोएडा। सेक्टर 15ए में रहने वाले एक रिटायर्ड आईएएस की विकलांग बहन ने उत्पीड़न करने के आरोप में भाभी और दो भतीजियों के खिलाफ फेज वन थाने में केस दर्ज कराया है। आरोप है कि उनके खाते से फर्जी साइन कर 25 हजार रुपए निकाल लिए गए। साथ ही रिटायर्ड आईएएस भाई की मौत के बाद उन्हें कोठी से बाहर कर दिया गया। पीड़िता बोल नहीं पाती है। इस वजह से अपने पैतृक गांव बुलंदशहर के एक मंदिर में जाकर गुजर बसर कर रही है।

भाई के मौत के बाद घर से निकाला

पीड़िता का आरोप है कि उसके भाई के मौत के बाद भाभी और भतीजियों ने उत्पीड़न किया है। मामले में पुलिस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दमयंती सिंह ने बताया कि वह जन्म से विकलांग हैं। उनके भाई यशराज सिंह एक रिटायर्ड आईएएस थे।

जिनकी 2019 में मौत हो गई। उन्हीं के आश्रय पर पीड़िता जीवन जी रही थी। वह बुजुर्ग हो चुकी हैं। आरोप है कि भाई के मौत के बाद भाभी अल्का सिंह, मेघा और राधिका ने उन्हें कोठी से बाहर कर दिया। जिस वजह से पीड़िता बुलंदशहर के एक मंदिर पर रहती है।

गलत तरीके से पैसे किए ट्रांसफर

यहीं नहीं आरोप यह भी है कि पीड़िता के नाम से और उसके भाई के नाम पर एक ज्वाइंट बैंक अकाउंट है। जिससे भाभी अल्का सिंह और मेघा, राधिका ने मिलकर 25 हजार रुपए निकाल लिए हैं।

नोएडा में हत्या में शामिल दो वांछित गिरफ्तार

▸ पत्नी से अवैध संबंध का था शक, साथी के साथ मिलकर मारा था चाकू

नोएडा। नोएडा में अवैध संबंध के शक में एक दो लोगों ने मिलकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी। इसकी पहचान राहुल हुई थी। राहुल के पेट में चाकू से वार किया गया। इस मामले में पीड़ित परिजनों की शिकायत पर दोनों आरोपियों को ग्रीन बेल्ट , सर्विस रोड गढ़ी गोलचक्कर से गिरफ्तार किया गया। इनके पास से चाकू भी बरामद किया गया। जिससे हत्या की गई। आरोपियों के नाम अमित और उमेश है। दोनों एक ही कंपनी में काम करते है। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि राहुल रबूपुरा में रहता था। वो जिस कंपनी में काम करता था उसी में अमित की पत्नी रुबी भी काम करती थी। दोनों काफी लंबे समय से एक साथ काम कर रहे थे। राहुल के पड़ोस में ही रुबी अपने पति अमित के साथ रहती है। शुक्रवार को अमित शराब के नशे में आया और राहुल से बहस करने लगा। इस दौरान विवाद बढ़ गया। विवाद बढ़ता देख मौके पर अमित का दोस्त उमेश भी आ गया। राहुल से बहस के दौरान अमित ने चाकू निकाला और राहुल के मार दिया। मौके पर पर राहुल की मौत हो गई। परिजनों की शिकायत पर एक टीम का गठन किया गया। टीम ने लोकल इंटेलिजेंस और मुखबीर की मदद से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

नोएडा प्राधिकरण की किसानों से 3 घंटे की बातचीत बेनतीजा

मांगों पर सहमति नहीं बनी, किसान बोले- समाधान या समाधि, सोमवार को महापंचायत

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन मंच के बैनर तले किसानों का प्रदर्शन लगातार जारी है। शुक्रवार को तीन घंटे तक तक चली बैठक भी बेनतीजा रही। इससे पहले धरने के बीच नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी क्रांति शेखर, अरविंद कुमार और एसीपी प्रवीण कुमार पहुंचे और अधिकारियों ने किसानों से आग्रह किया कि नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्णा करुणेश से बातचीत कर अपनी समस्या रख दीजिए।

प्राधिकरण के अधिकारियों कि इस प्रस्ताव को धरना स्थल पर उपस्थित सभी किसानों ने स्वीकार किया और प्रत्येक गांव से दो-दो व्यक्ति साथ लेकर नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में जा कर सभी किसानों ने बातचीत की। यह बातचीत लगभग 3 घंटे 10 मिनट चली लेकिन नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी किसानों को संतुष्ट नहीं कर पाए इसलिए यह बातचीत विफल रही। किसानों ने कहा कि समाधान या समाधि तक जाएंगे।

सोमवार को महापंचायत

भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विमल त्यागी ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण किसानों को हल्के में लेने की भूल नहीं करें। नोएडा प्राधिकरण से इस बार किसान अपना हक लेकर ही वापस जाएंगे। इस बार किसान आश्वासनों पर धरना खत्म नहीं करेगा। चाहे धरना कितना भी लंबा क्यों ना चलाना पड़े। लेकिन किसान पीछे नहीं हटेंगे और घोषणा कर दी की आने वाले 3 नवंबर 2025 दिन सोमवार को नोएडा प्राधिकरण पर महापंचायत होगी और महापंचायत में ही निर्णय लिया जाएगा की आगे धरने को किस प्रकार चलाया जाए।

किसानों के साथ हुआ छल

भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधीर चौहान ने नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से मीटिंग में सवाल जवाब किया। किसानों का पक्ष मजबूती के साथ रखा और अधिकारियों ने माना कि किसानों के साथ अन्याय हुआ है। किसानों को उसका अधिकार नहीं मिला है। मीटिंग में नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालिका अधिकारी कृष्णा करुणेश को बताया कि किसानों को नोएडा प्राधिकरण ने हमेशा छला है।

समाधान या समाधि बनेगी

प्राधिकरण के अधिकारियों के द्वारा ही किसानों से बार-बार किए गए समझौते पत्रों में साफ-साफ लिखा है की किसानों का नोएडा प्राधिकरण पर 5 प्रतिशत 10 प्रतिशत के भूखंड, साल 1976 से वर्ष 1997 के बीच के किसान कोटे के प्लॉट ,आबादी का संपूर्ण निस्तारण जैसे लाभ नोएडा प्राधिकरण पर बकाया है। किसान नोएडा प्राधिकरण से अपना अधिकार लेकर ही घर वापस लौटेगी। इस बार नोएडा प्राधिकरण पर किसानों का समाधान होगा या किसानों की समाधि बनेगी।

नोएडा में 2 हजार डॉग्स के लिए 2 शेल्टर बनेंगे

9 हजार वर्गमीटर एरिया तय, रैबीज डॉग्स का इलाज होगा; हेल्पलाइन नंबर जारी

नोएडा। नोएडा में आवारा कुत्तों के प्रबंधन को व्यवस्थित और मानवीय बनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण बड़ा कदम उठाने जा रहा है। सेक्टर-123 में दो नए डॉग शेल्टर विकसित किए जाएंगे, जो लगभग एक एकड़ क्षेत्र में बनेंगे।

प्रत्येक शेल्टर में करीब एक हजार बीमार, रैबीज से संक्रमित और आक्रामक कुत्तों को रखने की व्यवस्था होगी। यहां पशु चिकित्सक, उपचार कक्ष, भोजन और सुरक्षित आवास की पूरी सुविधा दी जाएगी, ताकि ऐसे कुत्तों की देखभाल हो सके जिन्हें सार्वजनिक स्थलों पर नहीं छोड़ा जा सकता।

यह कदम सुप्रीम कोर्ट के 22 अगस्त 2025 के आदेश के बाद उठाया गया है। अदालत ने देशभर के निकायों को निर्देश दिया था कि आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण कर उन्हें वापस उनके क्षेत्र में छोड़ा जाए। हालांकि, रैबीज से संक्रमित या आक्रामक कुत्तों को शेल्टर में ही रखा जाएगा।

प्रतिदिन लगभग 50 कुत्तों की नसबंदी की जाती

वर्तमान में प्राधिकरण सेक्टर-94 में एक शेल्टर चला रहा है, जहां 1,000 कुत्तों की देखभाल हो रही है और प्रतिदिन लगभग 50 कुत्तों की नसबंदी की जाती है। ओएसडी महेंद्र प्रसाद के अनुसार, यहां डॉक्टर नियमित रूप से बीमार और रैबीज प्रभावित कुत्तों का उपचार भी करते हैं।

1200 डॉग फीडिंग पाइंट्स बनेंगे

प्राधिकरण दो एनजीओ के साथ शहरभर में रैबीज टीकाकरण अभियान भी चला रहा है।

साथ ही, नोएडा में 1,200 निर्धारित डॉग फीडिंग पॉइंट बनाने की योजना है, जिन्हें आरडब्ल्यूए और स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर तैयार किया जाएगा। 2.5 करोड़ रुपए की इस परियोजना का मकसद फीडिंग व्यवस्था को नियंत्रित करना और निवासियों व डॉग फीडर्स के बीच होने वाले विवाद को कम करना है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, केवल चिह्नित स्थानों पर ही कुत्तों को खाना खिलाया जा सकेगा, अन्यथा कार्रवाई की जा सकती है।

जल्द 24 घंटे मिलेगी हेल्पलाइन

डॉग देख भाल और शिकायतों के समाधान के लिए प्राधिकरण ने हेल्पलाइन नंबर 0120-2425025 जारी किया है और जल्द ही 24 घंटे की टोल-फ्री सुविधा भी शुरू होगी। साथ ही, शहर में आवारा डॉग्स की मैपिंग के लिए सर्वे शुरू किया गया है जिसमें आरडब्ल्यूए, एओए और एनजीओ सहयोग करेंगे। सर्वे में नसबंदी, टीकाकरण और आक्रामक कुत्तों की संख्या व फोटो रिकॉर्ड की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा में दुकानदार के खाते से निकाले 5 लाख

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कस्बे में एक दुकानदार के बैंक खाते से साइबर ठगों ने पांच लाख रुपये निकाल लिए। ठगों ने पीड़ित का मोबाइल हैक कर इस वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने शुक्रवार देर शाम अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मोहल्ला वैशाली नगर निवासी जितेंद्र शर्मा रबूपुरा कस्बे में दुकान चलाते हैं। उनका खाता रबूपुरा स्थित केनरा बैंक की शाखा में है। वह ग्राहकों के साथ लेनदेन के लिए नेट बैंकिंग का उपयोग करते हैं। गुरुवार को किसी अज्ञात व्यक्ति ने जितेंद्र शर्मा का मोबाइल हैक कर लिया। इसके बाद उनके बैंक खाते से पांच लाख रुपये अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए गए। दो दिन बाद जब दुकानदार ने अपना हैक हुआ मोबाइल और नंबर दोबारा चालू कराकर बैलेंस चेक किया, तब उन्हें ठगी का पता चला। इस धोखाधड़ी का पता चलने पर पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

यातायात माह का आगाज, विचार गोष्ठी और जागरूकता रैली के साथ

नोएडा। हर साल नवंबर माह को यातायात माह के रूप में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को कम करना और नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना होता है। 2025 के यातायात माह की शुरुआत नोएडा के सैक्टर 108 स्थित पुलिस कमिश्नरेट में आयोजित यातायात प्रबंधन संबंधित एक विचार गोष्ठी के साथ हुआ. इस विचार गोष्ठी में नोएडा एंटरप्रेन्योर एसोसिएशन के अधिकारियों RWA और AOA के मेंबर और सरकारी विभाग के रोड सेफ्टी से संबंधित लोगों ने भाग लिया। इसके बाद रैली के माध्यम से यातायात माह की शुभारंभ की गई। विचार गोष्ठी के बाद ज्वाइंट सीपी ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यातायात माह के अवसर पर लोगों को यातायात के बारे में जागरूक करने के लिए एक रैली निकाली गई जिसको हरी झंडी दिखाकर ज्वाइंट सीपी राजीव नारायण मिश्रा ने रवाना किया। रैली में यातायात पुलिस के कर्मचारी, मार्शल मोटर साइकिल, मिशन शक्ति की स्कूटी पर महिला व प्रदूषण रहित इलैक्ट्रानिक व एल0ई0डी0 युक्त प्रचार वाहन शामिल थे। जो शहर के विभिन्न इलाकों से होकर गुजरी और लोगों को यातायात के नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। इस अवसर पर राजीव नारायण मिश्र ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यातायात माह में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमें लोगों को सुरक्षित यात्रा याद के लिए जागरूक किया जाएगा।

ज्वाइंट सीपी ने बताया कि यातायात माह के दौरान विभिन्न स्कूल में कॉलेज में अवेयरनेस ड्राइव चलाई जाएगी और स्कूल प्रबंधन और बच्चों से विशेष रूप से अनुरोध किया जाएगा की अगर जो लोग स्कूल में बिना हेलमेट आएंगे उनको प्रवेश नहीं दिया जाएं। राजीव नारायण मिश्र ने कहा कि शहर में इलीगल पार्किंग एक मेजर इश्यू है वही रोड इंजीनियरिंग के माध्यम से शहर में बढ़ रही जाम की समस्या से निपटने का भी काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कैमरा लगाए जाएंगे और ऐसे ब्लैक स्पॉट को चिंतित किया जाएगा, जहां पर रोड एक्सीडेंट की घटनाएं ज्यादा होती हैं। जॉइंट सीपी कहा कि एनसीआर में जो बड़ी समस्या है वह एनवायरमेंटल प्रोटक्शन की है, हम लोगों लोगों को जागरूक कर पॉल्यूशन कंट्रोल के उपाय को करेंगे।

नोएडा में भाई और भतीजों पर जमीन कब्जाने का आरोप : 4 पर केस दर्ज

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के नगला भटोना गांव में पैतृक संपत्ति को लेकर दो भाइयों में विवाद बढ़ गया।

गांव के रहने वाले सुदेश ने अपने भाई और तीन भतीजों पर जमीन पर कब्जा करने और मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने चारों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुदेश ने बताया कि गांव में उनकी पैतृक जमीन है, जिसमें दोनों भाइयों का बराबर हिस्सा है।

वह लंबे समय से गांव से बाहर रहते हैं और केवल छुट्टियों में ही घर आते हैं। आरोप है कि उनके भाई बिजेंद्र सिंह और उनके बेटे विनोद, अनूप और बृजेश ने उनके हिस्से की जमीन पर कब्जा कर लिया।

सुदेश के अनुसार, इस जमीन को लेकर मामला पहले से अदालत में विचाराधीन है। शुक्रवार को जब उन्हें कब्जे की जानकारी मिली और वे गांव पहुंचे, तो आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी भी दी।

पुलिस ने सुदेश की तहरीर के आधार पर चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की विवेचना की जा रही है, इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दनकौर के पीएचसी पर किसान एकता संघ का प्रदर्शन

अधिकारियों पर अनदेखी का आरोप, मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने की मांग

जेवर। शनिवार को किसान एकता संघ के कार्यकर्ताओं ने ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की अव्यवस्थाओं के विरोध में प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बाबा देशराज नागर के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने अधिकारियों पर अनदेखी का आरोप लगाया। बाद में संगठन ने मुख्य चिकित्सा प्रभारी अशोक कुमार को एक ज्ञापन भी सौंपा।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सोरन प्रधान ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाएं बंद कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि पहले यहां पुरुष व महिला नसबंदी की सुविधा उपलब्ध थी, जो अब समाप्त कर दी गई है। इसी प्रकार मलेरिया, टाइफाइड, पेशाब व अन्य रक्त संबंधी जांचें भी अब नहीं की जा रही हैं।

चौधरी सोरन प्रधान ने यह भी बताया कि केंद्र में सफाई कर्मचारी न होने से स्वच्छता व्यवस्था बदहाल है। एमबीबीएस डॉक्टरों की कमी के कारण मरीजों को उपचार के लिए निजी अस्पतालों या अन्य कस्बों का रुख करना पड़ रहा है।

इसके अलावा, पहले यहां लीगल व फौजदारी मामलों से संबंधित मेडिकल जांच भी की जाती थी, जिसे अब बंद कर दिया गया है।

किसान एकता संघ ने प्रशासन को 15 दिन का समय दिया है। संगठन का कहना है कि यदि निर्धारित समय सीमा में स्वास्थ्य केंद्र की सभी बंद सुविधाएं दोबारा शुरू नहीं की गईं, तो दनकौर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

शार्ट न्यूज

युवक ने 20वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के बिसरख कोतवाली क्षेत्र की गौर सिटी-2 स्थित 14 एवेन्यू सोसायटी में शुक्रवार दोपहर एक युवक ने 20वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद सोसायटी में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मृतक की पहचान 36 वर्षीय विपिन सिंह के रूप में हुई है, जो हरियाणा के रेवाड़ी जिले के धारूहेड़ा का निवासी था। वह हीरो कंपनी में कार्यरत था और हाल ही में अपनी बहन के घर गौर सिटी-2 के 14 एवेन्यू में मिलने आया हुआ था। अचानक छलांग लगाई पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर विपिन अचानक बिल्डिंग की 20वीं मंजिल से कूद गया। गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही बिसरख थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। परिजनों ने बताया कि कुछ देर पहले तक विपिन सामान्य था और परिवार के साथ बातचीत कर रहा था।

ग्रेटर नोएडा में चलते ट्रक में लगी आग

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के इकोटेक-3 थाना क्षेत्र में 130 मीटर रोड पर एक ट्रक में आग लग गई। आग लगते ही ट्रक मचला रहा चालक और परिचालक दोनों उतर गए। ट्रक में कंपनी के रोल के बंडल थे। ये बंडल इकोटेक-3 इंडस्ट्रियल एरिया जा रहे थे। आग की वजह साफ नहीं हो पाई है। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी दमकल विभाग को दी। मौके पर दमकल की एक गाड़ी को भेजा गया। करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। ये घटना 130 मीटर रोड की है। यहां यातायात भी ज्यादा रहता है। ट्रक में आग लगते ही चालक ने उसे किनारे कर दिया। और गाड़ियां भी इससे काफी दूर रही। दमकल की गाड़ी पहुंचते एक तरफ के यातायात को कुछ देर के लिए डायवर्ट किया गया। जिसके बाद आग को बुझा दिया गया। बताया गया कि आग इंजन में शॉट सर्किट की वजह से लग सकती है। आग ट्रक के अगले हिस्से से शुरू हुई और गत्ते के रोल तक जा पहुंची। आग से ट्रक जलकर राख हो गया। फिलहाल दमकल विभाग ने आग पर काबू पा लिया है।

नोएडा में 3.26 करोड़ ठगी में दो गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा में शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर ठगी करने वाले दो लोगों को साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके नाम राजीव वर्मा और उमा शंकर है। दोनों को इंदौर मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया गया। ये दोनों मुख्य ठगों को खाता प्रोवाइड करने का काम करते है। खात का एक्सिस अपने पास रखते है। पैसा ट्रांसफर होने के बाद इनको मोटा कमीशन मिलता है। इस मामले में अब तक 12 गिरफ्तारी पहले हो चुकी है। 12 जून को सेक्टर-27 निवासी एक महिला ने थाना साइबर क्राइम में आकर सूचना दी कि उसके साथ करीब 3 करोड़ 26 लाख की ठगी हो गई है। साइबर सेल ने मुकदमा दर्ज तक खातों को फ्रीज करने का काम शुरू किया। ठगों ने महिला को रेट फाइन इनवेस्टमेंट लिमटेड कंपनी का कर्मचारी बनकर बात की और शेयर मार्केट में पैसा लगवाया। 30 अक्टूबर को पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपी राजीव वर्मा के खाते में करीब 10 लाख रुपए आए। इस खाते के खिलाफ भी एनसीआरपी पोर्टल पर करीब 16 शिकायत है।

महिला की हत्या का प्रयास

जेवर। ग्रेटर नोएडा के जेवर कोतवाली क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति सहित ससुराल पक्ष के छह लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता निकेता का आरोप है कि शादी के बाद से ही उससे 10 लाख रुपये नकद और एक क्रेटा कार की मांग की जा रही थी। निकेता की शादी करीब दो वर्ष पहले हरियाणा के भोंडसी निवासी दर्पण से हुई थी। आरोप है कि जब उसने अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी करने से इनकार किया, तो उसके साथ मारपीट और मानसिक उत्पीड़न शुरू कर दिया गया। पीड़िता ने बताया कि लगभग एक महीने पहले ससुराल वालों ने उसका गला दबाकर हत्या करने का प्रयास किया। किसी तरह वह उनके चंगुल से बचकर अपने मायके पहुंच गई। जेवर कोतवाली पहुंचकर पीड़िता ने अपने पति दर्पण, ससुर अमरजीत, सास रजनी उर्फ आशा, जेठ दर्शन और जेठानी मुनेश समेत कुल छह लोगों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जेवर कोतवाली पुलिस के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़िता का बयान दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आम्रपाली खरीदारों का एनबीसीसी के खिलाफ प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा। आम्रपाली आदर्श आवास योजना प्रोजेक्ट के सैकड़ो खरीदारों ने शनिवार को निर्माणाधीन प्रोजेक्ट के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने नेशनल बिल्डिंग्स कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन (एनबीसीसी) पर घर सौंपने की बार-बार की समय सीमाओं को पूरा न करने का आरोप लगाया। सतीश चौधरी, विशंभर दयाल, कृष्ण सिंह, साहिल बक्शी, राजन राज सिंह ने बताया कि 2019 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आम्रपाली समूह की सभी परियोजना का निर्माण एनबीसीसी को करना था, जिसके बाद 2020 में इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया, परंतु काम की रफ्तार बहुत ही धीमी रही। इसी वर्ष निर्माण का काम कर रहे पुराने ठेकेदार को बर्खास्त करके नए ठेकेदार का चयन किया गया था।इसके अलावा एनबीसीसी ने सर्वोच्च न्यायालय को आश्वासन दिया था कि आम्रपाली प्रोजेक्ट्स में 22,000 फ्लैट्स 2024 के अंत तक पूरे हो जाएंगे, जिसमें आदर्श आवास योजना के नाम से बन रहे कुल 1904 फ्लैट को मार्च 2025 में हैंडओवर के लिए निर्धारित किया गया था।

पानी के टैंकरों पर तीन लाख खर्च किए

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की एग्जॉटिका ड्रीम विलेज सोसाइटी में पेयजल की समस्या गहराती जा रही है। इसके चलते एओए बीते एक महीने में तीन लाख से अधिक रुपये के पानी के 130 टैंकर मंगवाने पर खर्च कर चुकी है। शनिवार को भी करीब 10 टैंकर मंगवाए गए। तब जाकर लोगों के घरों में पेयजल की आपूर्ति की गई। आरोप है कि प्राधिकरण द्वारा समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा। सोसाइटी के उपाध्यक्ष सुजीत सिंह ने बताया कि सोसाइटी में करीब 1600 परिवार रहते हैं, जो पिछले एक महीने से पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। आरोप है कि पेयजल की समस्या 12 अक्टूबर से शुरू हुई थी।शिकायत की तो पता चला कि प्राधिकरण की तरफ से पानी का प्रेशर कम आ रहा है, जिसके कारण भूमिगत टैंक नहीं भर पा रहे। वहीं, एओए द्वारा पेयजल के टैंकर मंगाने शुरू किए। प्राधिकरण से शिकायत की गई, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। त्योहारों भी लोगों ने पानी की किल्लत का सामना करना पड़ा। लोगों ने बताया कि 22 अक्तूबर को लोगों के विरोध जताने पर प्राधिकरण पेयजल की समस्या का अस्थाई तौर पर समाधान किया गया। चार से पांच दिनों बाद फिर समस्या शुरू हो गई।

किशोर की खेत में करंट लगने से मौत

नोएडा। सेक्टर-123 स्थित एफएनजी विहार के निकट शनिवार सुबह करंट की चपेट में आकर एक किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के वक्त किशोर अपने पिता के साथ गन्ने के खेत की देखरेख करने गया था। परिजन के मुताबिक, जिला बदायूं के जरीफ नगर निवासी महीपाल परिवार के साथ गढ़ी चौखंडी गांव में किराए के घर में रहते हैं। वह सेक्टर-123 स्थित एफएनजी विहार के निकट गन्ने के एक खेत देखरेख करते हैं। इसके लिए उन्होंने खेत के निकट एक झोपड़ी बना रखी है। शनिवार सुबह महीपाल अपने साथ 14 वर्षीय पुत्र दिनेश को साथ लेकर खेत पर गए थे।खेत के निकट बिजली का एक तार एफएनजी विहार के पास बसी एक कॉलोनी की तरफ जा रहा है। तार के ऊपर पीवीसी लगी थी, लेकिन तार पुराना होने के चलते कुछ स्थान पर पीवीसी नहीं है। दिनेश झोपड़ी से खेत की तरफ जा रहा था, तभी झाड़ियों के पास से गुजर रहा तार उसे दिखाई नहीं दिया और वह करंट की चपेट में आ गया। उसकी नाक से खून आने लगा और वह तड़पकर जमीन पर गिर गया। कुछ देर बाद पहुंचे परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न 34 शिकायतें दर्ज

2 का मौके पर निस्तारण; जिलाधिकारी ने दिए गुणवत्ता परक समाधान के निर्देश

पीलीभीत। तहसील सदर में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने जनता की शिकायतें सुनीं। इस दौरान कुल 34 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 2 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया ।डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी स्वयं शिकायतकर्ता से मिले, दोनों पक्षों की बात सुने और आवश्यकतानुसार मौके पर जांच करें। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल की शिकायतों की नियमित समीक्षा की जा रही है, इसलिए समाधान की रिपोर्ट समय से पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। राजस्व संबंधी मामलों में पुलिस प्रशासन के सहयोग से संयुक्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

समाधान दिवस में जिला विकास अधिकारी संजय कुमार, एसडीएम श्रद्धा सिंह, सीओ सिटी, नायब तहसीलदार, जिला विद्यालय निरीक्षक, बीएसए, समाज कल्याण अधिकारी, दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी समेत कई विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सुल्तानपुर में हिस्ट्रीशीटर ने गोली मारकर आत्महत्या की

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में एक हिस्ट्रीशीटर ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उसके सीने में गोली लगी थी। पुलिस ने दरवाजा तोड़वाया तो वह बेड पर खून से लथपथ पड़ा था। आत्महत्या की वजह अभी सामने नहीं आ सकी है। घटना कूरेभार थानाक्षेत्र के गलिबहा गांव की शनिवार सुबह की है। युवक की पहचान दुर्गेश सिंह उर्फ मोनू के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी सुल्तानपुर थाने का हिस्ट्रीशीटर था। उसके खिलाफ कादीपुर LIC लूटकांड के अलावा करीब 10 मुकदमें दर्ज थे। दुर्गेश सिंह उर्फ मोनू गलिबहा गांव का रहने वाला है। वह अपने माता-पिता से अलग गांव में ही दो कमरों का मकान बनाया था। उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। दुर्गेश तीन भाईयों में दूसरे नंबर पर था। उसके बड़े भाई अजय और छोटा राघवेंद्र हैं।

बीसलपुर पीएचसी में स्टाफ नर्स से डॉक्टर ने की अभद्रता, वीडियो वायरल

▸ पीड़िता ने की मुख्यमंत्री और महिला आयोग से शिकायत, पुलिस कार्रवाई से नाराज

बीसलपुर। नगर के नजदीकी गांव खाडेपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में तैनात एक डॉक्टर द्वारा स्टाफ नर्स से अभद्र व्यवहार और मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, जनपद बागपत थाना खेकड़ा के गांव हसनपुर निवासी राखी देवी, पुत्री सुरेंद्र, पीएचसी खाडेपुर में स्टाफ नर्स के पद पर तैनात हैं।

आरोप है कि पीएचसी में तैनात डॉक्टर उदित यादव द्वारा उनसे अतिरिक्त कार्य कराने का दबाव बनाया जा रहा था। नर्स द्वारा मना करने पर डॉक्टर ने उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए थप्पड़ मार दिया। इसी दौरान पीड़िता की नाक का फूल भी टूट गया। घटना 27 अक्टूबर की बताई जा रही है।

पीड़िता ने तत्काल कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन पुलिस द्वारा कोई कदम न उठाए जाने पर उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महिला आयोग और स्वास्थ्य मंत्री को शिकायत पत्र भेजा है।

स्टाफ नर्स राखी देवी ने कहा कि उन्हें न्याय चाहिए और दोषी डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग और पुलिस प्रशासन की चुप्पी सवाल खड़े कर रही है।

शार्ट न्यूज

निकाली गई भव्य श्री खाटू श्याम निशान यात्रा

बरखेड़ा। श्री खाटू श्याम कमेटी बरखेड़ा के तत्वावधान में शनिवार को देवउठनी एकादशी के अवसर पर भव्य श्री खाटू श्याम निशान यात्रा निकाली गई। नगर मेला मैदान में बाबा श्याम के श्रृंगार के बाद यात्रा का शुभारंभ गाजे-बाजे और जयकारों के साथ किया गया। यात्रा मेन रोड गोपी कॉलोनी, गाजीपुर मोड़, दौलतपुर मार्ग, स्टेशन क्षेत्र होते हुए पुनः मेला मैदान पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। इस दौरान नगर का वातावरण पूरी तरह श्याममय हो गया। श्रद्धालुओं ने खाटू नरेश के जयकारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम के अंत में कमेटी की ओर से सभी श्याम भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन में अमन गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, सार्थक सक्सेना, अर्पित सक्सेना, अभिषेक गुप्ता, दर्पण सक्सेना, ऋषि राज गुप्ता, नैतिक सक्सेना, रितिक भारद्वाज, हरीश, शिवम जोशी, श्याम गुप्ता, नरेंद्र सक्सेना, हिमांशु गुप्ता, प्रशांत भोजवाल, अजय राठौर सहित अनेक श्याम प्रेमी शामिल रहे। देवउठनी एकादशी के इस पावन अवसर पर बरखेड़ा नगर का वातावरण भक्ति और उल्लास से सराबोर रहा।

शिकारियों के फंदे में फंसा तेंदुआ

पीलीभीत। थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के लधपुरा गांव में शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब ग्रामीणों ने गन्ने के खेत के पास एक घायल तेंदुए को देखा। बताया गया कि उसके पैर में फंदा फंसा हुआ था, जिससे वह चल नहीं पा रहा था। ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। कुछ ही देर में रेस्क्यू टीम के सदस्य दक्ष गंगवार ने तेंदुए को डॉट मारकर बेहोश किया और सुरक्षित रूप से पकड़ लिया। इसके बाद उसे जिला मुख्यालय लाकर वन चिकित्सकों द्वारा उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डीएफओ भरत कुमार डी.के. ने बताया कि तेंदुए को रेस्क्यू कर लिया गया है। उसके पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद उसे जंगल में छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह फंदा संभवतः शिकारियों द्वारा लगाया गया था, जिसकी जांच की जा रही है। घटना के समय वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार टाइगर रिजर्व में पर्यटन सत्र का शुभारंभ कर रहे थे, तभी इस घटना की सूचना ने विभाग में हड़कंप मचा दिया। गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने और बच्चों को खेतों या जंगल की ओर न भेजने की सलाह दी है।

तीन आरोपियों को दो साल की सजा

ललितपुर। कोर्ट ने सरकारी कार्य में बाधा डालने के एक पुराने मामले की सुनवाई करते हुए तीन आरोपीयों को दो साल के कारावास व पच्चीस - पच्चीस हजार रुपये का जुर्माना लगाया। पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा जनपद में चिन्हित अभियोगों में अपराधियों को शीघ्र अधिक से अधिक सजा दिलाये जाने हेतु प्रभावी पैरवी के लिये सम्बन्धित थाना प्रभारी व पैरोकारों को निर्देशित किया गया था । इसी क्रम में अभियुक्तगण कल्लू पुत्र भैयालाल मन्नू उर्फ लटौरा पुत्र भैयालाल जुगराज पुत्र कल्लू नि0गण ग्राम बानौनी थाना बानपुर जनपद ललितपुर के विरूद्ध थाना बानपुर में मु0अ0सं0 155/2012 धारा 323/332/353 आईपीसी का अभियोग पंजीकृत हुआ था, जिसमें वैज्ञानिक व तथ्यपरक साक्ष्यों के आधार पर समयवद्ध व गुणवत्तापूर्ण विवेचना संपादित कर अभियुक्तगण उपरोक्त के विरूद्ध आरोप पत्र माननीय न्यायालय प्रेषित किया गया था । पुलिस अधीक्षक द्वारा उपरोक्त प्रकरण की निरन्तर प्रभावी पैरवी करवायी गयी जिसमें थाना बानपुर पुलिस, कोर्ट पैरोकार व अभियोजन पक्ष के द्वारा अथक प्रयास एवं प्रभावी पैरवी करते हुए।

11वीं की छात्रा अपने स्कूल बस ड्राइवर के साथ भागी

गोरखपुर। गोरखपुर में 11वीं की छात्रा को अपने ही स्कूल के बस ड्राइवर से प्यार हो गया। परिजन शादी के लिए राजी नहीं हुए तो दोनों घर से भाग गए। मंदिर में शादी रचाई, लेकिन उन्हें पकड़े जाने का डर सताने लगा। इसके चलते दोनों ने जहर खाकर सुसाइड करने की कोशिश की। हाथ की नसें भी काट लीं। इतना ही नहीं, जहर खाने से पहले ड्राइवर ने एक वीडियो बनाया और रिश्तेदारों को मोबाइल पर भेज दिया। इसमें दोनों कह रहे हैं कि हम लोग साथ नहीं रह सकते, लेकिन साथ मरने से कोई नहीं रोक सकता। परिवार वाले हमें अलग करना चाहते थे। इसलिए हम यह कदम उठा रहे हैं। वीडियो देखकर रिश्तेदार ने ड्राइवर के पिता को सूचना दी। आनन-फानन में मौके पर पहुंचे। वहां दोनों अचेत पड़े थे। ड्राइवर के मुंह से झाग निकल रहा था। पुलिस भी पहुंच गई। इसके बाद दोनों को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया। छात्रा की हालत स्थिर है, जबकि ड्राइवर की हालत नाजुक बताई जा रही है। उसका आईसीयू में इलाज चल रहा है। घटना गुलरिहा थाना क्षेत्र की है।

लखनऊ में भारतीय किसान यूनियन का प्रदर्शन

लखनऊ। लखनऊ में भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीयवाद का 130 दिनों से धरना प्रदर्शन लगातार जारी है। अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे किसानों ने लखनऊ विकास प्राधिकरण पर नाराजगी जताई । मुआवजे की मांग को लेकर चिनहट स्थित कार्यालय पर लगातर प्रदर्शन जारी है। किसानों ने जिला प्रशासन और एलडीए के खिलाफ जमकर नारे लगाए। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने कहा कि अब जब तक मांग पूरी नहीं हो जाएगी हम लोग उठने वाले नहीं है। यह लड़ाई आर पार की हो गई है। किसान नेता अशोक यादव ने कहा कृषि प्रधान देश में किस दर-दर की ठोकर खा रहा है । 40 वर्ष पूर्व 1984 में हमारी जमीन लखनऊ विकास प्राधिकरण ने अधिकृत कर ली थी। इसके बाद से लगातार संघर्ष जारी है। उन्होंने बताया कि उस समय 84 पैसे के हिसाब से मुआवजा तय हुआ। हम लोगों ने फिर वार्ता किया तो मुआवजा 2.5 रुपए हुआ। कुछ लोग कोर्ट चले गए इसके बाद 4 रुपये 60 पैसे दर के हिसाब से तय हुआ । 2016 में अंतिम मोहर कोर्ट के द्वारा लगी की 4.60 पैसे सभी किसानों को दिया जाए। लेकिन एलडीए कह रहा है कि हमारे पास पर्याप्त धनराशि नहीं है इसलिए हम मुआवजा नहीं दे पाएंगे।

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत ललितपुर पुलिस चलाया जागरुकता अभियान

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-05 अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गांव-गांव जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता , यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की । इसी क्रम में बालिकाओं एवं महिलाओं को आत्मरक्षा, गुड टच / बैड टच तथा उनके अधिकारों व महिला सम्बन्धी अपराधों से बचाव हेतु जागरुक किया गया । महिलाओं / बालिकाओं को बताया गया कि बस/रास्तों/सार्वजनिक स्थल में मनचलों एवं शोहदों द्वारा छेडखानी की घटना होने पर डरने के बजाय तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1090 व थाना पर जाकर तत्काल एफ0आई0आर0 के लिए जागरुक किया गया । सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, इन्स्टाग्राम आदि का सावधानी से उपयोग करने एवं इसके माध्यम से होने वाले अपराधों के बारे में जानकारी दे कर जागरुक किया गया ।

कुएं में गिरे बच्चे की 31 घंटे बाद मिली बॉडी

आगरा। आगरा में कुएं में गिरे 6 साल के मासूम का 31 घंटे बाद भी शव मिला है। एसडीआरफ को कामयाबी न मिलती देख प्रशासन ने सेना की मदद ली थी। रात आठ बजे के बाद सेना के तीन कमांडो कुएं में उतरे। निचले हिस्से में फंसी डेड-बॉडी को बरामद कर लिया। बच्चे को मरा हुआ देखकर उसके परिवार के लोगों में चीख-पुकार मच गई। इसके पहले उसका कोई सुराग नहीं मिलने से ग्रामीणों में नाराजगी थी। बचाव कार्य में देरी के हवाला देकर परिवार के लोग भड़क गए थे। शनिवार की शाम डीसीपी ईस्ट अतुल शर्मा का ग्रामीणों ने से नाराजगी जताई। घटना के बाद से कुएं को खाली करने का कार्य शुरू हुआ था। मगर, शुक्रवार रात तक आसपास के खेतों में काफी पानी भर गया था। इसके चलते शुक्रवार रात 12: 30 बजे रेस्क्यू ऑपरेशन रोकना पड़ा।

नगर निगम व जल कल विभाग की घोर लापरवाही से लोगों के घरों में आ रहा सीवर का गंदा पानी

विशाल इंडिया महेश सिंह

लखनऊ। राजधानी का वीआईपी एरिया कहा जाने वाला इंदिरा नगर के निवासी नगर निगम व जलकल विभाग की घोर लापरवाही से सीवर का गंदा पानी पीने को मजबूर है। अवगत कराते चलें डीके ब्रिक फील्ड एरिया सी ब्लॉक इंदिरा नगर के निवासियों का कहना है की सीवर लाइन की खराबी के कारण घरों में गंदा पानी आ रहा है। जहां पर लोगों को कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी हो रही हैं। जिससे स्वास्थ्य जोखिम भी उठाना पड़ रहा है वही लोगों का कहना है बार-बार शिकायत भी की गई मगर सुनवाई आज तक नहीं हुई। यही जन समस्या लेकर शनिवार को अध्यक्ष बीपी सिंह, आशुतोष, आर्यन त्रिपाठी, नागेंद्र कुमार सहित वहां के निवासियों ने धरना प्रदर्शन करके आला अधिकारियों को फिर से चेतावनी देने का जिम्मा उठाया। और इन सब निवासियों का कहना है कि पिछले 8 महीनो (अप्रैल) से अधिकारियों को सूचित किया जा रहा मगर आज तक उनके कानों में जूं तक नहीं रेंगे। और आज तक समस्या का निराकरण नहीं हुआ। अधिकारियों के सुस्त कार्यशैली से नाराज निवासियों ने अध्यक्ष वीपी सिंह की अगुवाई में मजबूरन धरना प्रदर्शन कर नगर निगम व जलकल विभाग की कमियों को उजागर किया। वहीं धरना की बातों को संज्ञान में लेते हुए नगर निगम के ओमप्रकाश ने आकर आश्वासन दिया मैं इन समस्याओं को जल्द ही ठीक करा रहा हूं ।अब देखने वाली बात यह होगी क्या सच में इस बार का आश्वासन यहां के निवासियों को काम आएगा या पिछले महीनों से दिए गए आश्वासन में यह भी आश्वासन शामिल रहेगा। निवासियों का आक्रोश यहां तक भड़क चुका इस बार सीवर की समस्या नहीं ठीक हुई तो नगर निगम के बैनर तले होगा धरने का आगाज।

डीएम-एसपी ने यातायात माह का किया शुभारंभ

ट्रैफिक पुलिस का यहीं संदेश, जीवन नहीं तो, क्या है शेष

ललितपुर । डीएम एसपी ने यातायात माह नवंबर 2025 का फीता काटकर शुभारंभ किया। यातायात जागरूकता वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया ।यातायात माह नवम्बर-2025 का शुभारंभ हुआ । विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शासन के निर्देशानुसार नवंबर माह को यातायात माह के रूप में मनाया जा रहा है । इस अवसर पर जिलाधिकारी , ललितपुर सत्यप्रकाश व पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक द्वारा घण्टाघर से यातायात रैली के दौरान प्रतिभागियों को यातायात जागरुकता के विषय में सम्बोधित करते हुए, हरी झण्डी दिखाकर यातायात माह नवम्बर-2025 का शुभारम्भ किया गया । जिलाधिकारी सत्यप्रकाश द्वारा ट्रैफिक नियमों का पालन करने हेतु जनता से अपील की गयी । महोदय द्वारा बताया गया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक है कि हम सभी यातायात नियमों का पूर्ण पालन करें। थोड़ी सी सावधानी हमारे और दूसरों के जीवन की रक्षा कर सकती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वाहन चलाते समय गति सीमा का पालन करें, शराब पीकर वाहन न चलाएँ, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनें और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट अवश्य लगाएँ। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक द्वारा जागरुकता कार्यक्रम के माध्यम से आम जनमानस में यातायात नियमों का पालन सम्बन्धी जागरूकता जैसे सीट बेल्ट/हेलमेट पहनना, ओवर स्पीड में गाडी न चलाना, यातायात के संकेतों का उल्लंघन न करना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन/ईयर फोन आदि का प्रयोग न करना, नशे/नींद की हालत में वाहन न चलाने आदि के संबंध में लोगों को जागरूक किया गया तथा यातायात नियमों के प्रति जागरुक रहकर उनका अक्षरशः पालन करने की उपस्थित सम्मानित आम जनमानस से अपेक्षा की गयी । एसपी द्वारा बताया गया कि ब्लैक फिल्म लगाने वाले वाहन चालको के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की गयी गयी है और आगे भी की जायेगी ।

एसपी ने जन चौपाल लगाकर तीन नये आपराधिक कानूनों की जानकारी दी

ललितपुर। घण्टाघर पर पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा तीन नये कानून जागरूकता अभियान 2.0 के अनुपालन के क्रम में, घंटाघर पर उपस्थित सभी नागरिको को जागरूक किया गया ।

भारत सरकार द्वारा 01 जुलाई, 2024 से देशभर में तीन नये आपराधिक कानून लागू किये गये है जिसमें भारतीय न्याय संहिता ,भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता व भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू किये जा चुके हैं ।

इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा नए कानूनों के प्रमुख प्रावधानों, पुराने कानूनों से हुए परिवर्तनों, अपराध की जांच प्रक्रिया में आई तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक सुधारों, तथा पीड़ित केंद्रित न्याय व्यवस्था के नये प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। ? कार्यक्रम के दौरान महोदय द्वारा बताया गया कि नए कानूनों के अनुपालन से जांच एवं अभियोजन प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी, त्वरित एवं पीड़ितोन्मुखी हुई है ।

साथ ही, जनता में जागरूकता फैलाने हेतु पुलिसकर्मियों को जनसंपर्क के माध्यम से नागरिकों को सरल भाषा में नये प्रावधानों की जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि पुराने कानून अंग्रेजो के बनाये हुए थे जिनमें संशोधन करते हुए दण्ड की जगह न्याय की संकल्पना को महत्व दिया गया है।

18 जिलों में बारिश का अलर्ट

पूर्वांचल में बादल छाए, 10 डिग्री तक लुढ़का पारा, आज से तूफान का असर कम होगा

उत्तर प्रदेश। यूपी में बेमौसम बारिश कहर बनकर टूटी है। किसानों की हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। आज भी 18 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी है। पूर्वांचल के कई जिलों में बादल छाए हुए हैं। 10- 20 किमी की स्पीड से से हवाएं चल रही हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक, आज से प्रदेश में तूफान मोन्था का असर कम होना शुरू हो जाएगा। धूप खिलने से अगले तीन दिनों में प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में दिन का तापमान 5 से 7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की संभावना है।

शुक्रवार की बात करें तो वाराणसी, बलिया, मऊ समेत 20 शहरों में बारिश हुई। झांसी में फसल खराब होने से किसान की मौत हो गई, जबकि कौशांबी में करीब 1000 क्विंटल धान भीग गया। प्रदेश में बाराबंकी का तापमान सबसे कम दर्ज किया गया। यहां न्यूनतम तापमान 17 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग ने बताया- जालौन में तापमान में 10 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। 32 डिग्री से पारा लुढ़ककर 22 डिग्री पर पहुंच गया। वहीं, मिर्जापुर में तापमान 9 डिग्री तक गिरा। गोरखपुर और लखनऊ मंडल के जिलों में पारा 4 डिग्री घटा, जबकि कानपुर मंडल के जिलों में 2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

बारिश धान की फसल के लिए नुकसानदायक

बारिश और तेज हवा का असर धान की फसल पर पड़ा है। कहीं धान की फसल कटने को तैयार है तो कहीं कटकर सूखने के लिए खेत में पड़ी है। ऐसे में कई जिलों में तेज हवा से खड़ी फसलें गिर गई हैं। कई जगह खेत में कटी फसल भीग गई। ऐसे में धान के दाने खराब होने और फफूंद लगने की आशंका बढ़ गई है।

सीएम योगी ने अफसरों को सर्वे कराकर आपदा से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने का निर्देश दिया है। वहीं, गेहूं की बुआई के लिए मौसम सही है।

बारिश से मिट्टी में पर्याप्त नमी आ चुकी है, जिससे बिना सिंचाई के जोताई और बुआई आसान हो गई है। इससे अंकुरण अच्छा होगा। चना, मसूर, मटर और सरसों की बुआई के लिए भी अच्छा समय है।

जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी बख्शे नहीं जायेंगे

प्रतिस्थानी भेजकर अनुपस्थित रहने वाले 7 अधिकारियों का स्पष्टीकरण किया तलब

ललितपुर। जनशिकायतों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दृष्टिगत शनिवार को नवागंतुक जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने सदर तहसील में आयोजित अपने पहले सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जहां मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए जनशिकायतों का निस्तारण कराया, तो वहीं लापरवाह अधिकारियों को कड़े रुख में फटकार भी लगाई। जिलाधिकारी ने साफ शब्दों में कहा कि जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी बख्शे नहीं जायेंगे। उन्होंने उप जिलाधिकारी सदर को निर्देशित करते हुए कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रतिस्थानीय भेजकर अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों से स्पष्टीकरण लेते हुए एक दिन का वेतन रोका जाए, जनसुनवाई के दौरान अधिशासी अभियंता राजघाट निर्माण खण्ड, अधिशासी अभियंता विद्युत शहरी एवं ग्रामीण, उपायुक्त उद्योग, जिला रोजगार सहायता अधिकारी, जिला पर्यटक अधिकारी एवं जिला क्रीड़ा अधिकारी की अनुपस्थिति पर स्पष्टीकरण तलब करते हुए कारण बताने के निर्देश दिये गए।

सहारनपुर में थार की मांग पर बारात नहीं आई

सहारनपुर। सहारनपुर के चिलकाना थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव में एक शादी उस समय टूट गई जब दूल्हे पक्ष ने दहेज में थार कार की मांग पूरी न होने पर बारात लाने से इनकार कर दिया। दुल्हन के हाथों में मेहंदी लगी थी, लेकिन बारात नहीं आई, जिससे खुशियों का माहौल मातम में बदल गया। शनिवार को दौलतपुर निवासी अजय कुमार ने बताया कि उन्होंने अपनी बहन की शादी बेहट थाना क्षेत्र के हिरा खेड़ी निवासी अमनदीप से तय की थी। 4 मई 2025 को सगाई हुई थी और शादी की तारीख 1 नवंबर निर्धारित की गई थी। लड़की पक्ष ने अपनी हैसियत के अनुसार शादी की सभी तैयारियां पूरी कर ली थीं, जिसमें बैंकेट हॉल की बुकिंग और मेहमानों का आगमन शामिल था। उन्होंने दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल देने की भी व्यवस्था की थी। आरोप है कि विवाह से ठीक पहले, दूल्हे अमनदीप के चाचा और बिचौलिए सोनू ने लड़की पक्ष को फोन कर थार कार की मांग की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि थार न मिलने पर बारात नहीं आएगी। इस मांग से लड़की पक्ष हैरान रह गया।

लखनऊ में स्कूटी सवार बुजुर्ग दंपती को ट्रक ने रौंदा

पत्नी की मौके पर मौत; पति गंभीर घायल; ड्राइवर को दौड़ाकर पकड़ा

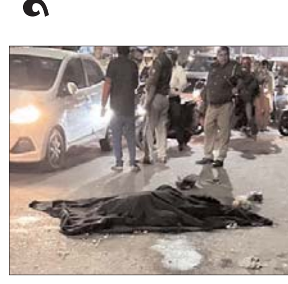

लखनऊ। लखनऊ के कुर्सी रोड पर शुक्रवार एक दर्दनाक हादसा हो गया। गुडंबा थाने के ठीक सामने गैस सिलेंडर से लदा ट्रक स्कूटी सवार दंपती को कुचलता हुआ निकल गया। हादसे में जानकीपुरम गार्डेन निवासी सविता वर्मा (61) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति कपिल देव वर्मा (64) गंभीर रूप से घायल हो गए।

कपिल देव वर्मा बीएसएनएल से सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। शुक्रवार शाम करीब छह बजे वे अपनी पत्नी के साथ स्कूटी से टेढ़ी पुलिया चौराहे की ओर से लौट रहे थे। थाने के सामने अचानक आगे एक वाहन रुक गया, जिससे कपिल देव ने ब्रेक लगाया। तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे गैस ट्रक ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी।

दोनों सड़क पर गिर पड़े

टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों सड़क पर गिर पड़े। कपिल देव दूसरी ओर जा गिरे, जबकि सविता वर्मा ट्रक के पिछले पहिए की चपेट में आ गईं। सिर और सीने पर पहिया चढ़ने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के वक्त कपिल देव ने हेलमेट पहना था, जिससे उनकी जान बच गई, लेकिन सिर और पैर में गंभीर चोटें आई है।

घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने दौड़कर ट्रक चालक जानकीपुरम सेक्टर जे निवासी साबिर को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। घायल कपिल देव को राहगीरों की मदद से पहले निजी अस्पताल ले जाया गया, फिर हालत गंभीर होने पर बलरामपुर अस्पताल रेफर किया गया।

संक्षिप्त समाचार

फ्लोरिडा में जेटब्लू विमान की आपातकालीन लैंडिंग, कई यात्री अस्पताल में भर्ती

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में गुरुवार को एक बड़ा विमान हादसा टल गया। दरअसल, मैक्सिको से अमेरिका जा रहा जेटब्लू एयरलाइंस का विमान ने गुरुवार को उड़ान के दौरान अचानक ऊंचाई से तेज गिरावट का सामना किया। इसके बाद फ्लाइट को अमेरिका के फ्लोरिडा में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। इस दौरान कई यात्री घायल हो गए। इन सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया गया है कि कैंकून से न्यूअर्क जा रहा जेटब्लू का एयरबस ए320 विमान स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब दो बजे टैम्पा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। अमेरिकी विमानन नियामक संस्था एफएए ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अब तक यह साफ नहीं है कि इस घटना में कुल कितने लोग घायल हुए और उनकी चोट कितनी गंभीर है। हालांकि, हवाई यातायात से जुड़े ऑडियो में पायलट को कहते सुना गया, फ्लकम से कम तीन यात्री घायल हैं, एक के सिर पर चोट आई है फ्र हवाई अड्डे पर ही चिकित्सा अधिकारियों ने यात्रियों और चालक दल का चिकित्सीय परीक्षण किया गया और कुछ लोगों को आगे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जेटब्लू ने इस घटना पर बयान जारी कर कहा कि विमान को सेवा से हटा दिया गया है और गिरावट के कारणों की पूरी जांच की जाएगी। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

यूक्रेनी ऊर्जा ग्रिड पर रूस का हमला, पूरे देश में बिजली गुल

कीव, एजेंसी। रूस ने रातोंरात यूक्रेन के ऊर्जा ग्रिड (ढांचे) पर ड्रोन और मिसाइलों की बौछार कर दी। इससे देश भर में बिजली आपूर्ति बाधित हुई और सात साल की एक बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 17 घायल हो गए। प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने आरोप लगाया कि कड़ाके की ठंड के मौसम में वह यूक्रेनी लोगों और बिजली आपूर्ति को निशाना बना रहा है। वह बोले, इसका लक्ष्य यूक्रेन को अंधकार में धकेलना है और हमारा लक्ष्य प्रकाश को बचाना है।

नेपाल : अन्नपूर्णा बेस कैंप में फंसे 17 भारतीय पर्यटक बचाए गए

काठमांडू , एजेंसी। भारी बर्फबारी के कारण नेपाल के अन्नपूर्णा बेस कैंप में फंसे 17 भारतीय पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। ये सभी पर्यटक पिछले सोमवार रात से हुई लगातार बारिश और बर्फबारी के कारण ट्रेकिंग रूट बंद होने से फंस गए थे। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) और नेपाल पुलिस के जवानों की एक बचाव टीम ने स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से 4,190 मीटर की ऊंचाई से इन सभी लोगों को सुरक्षित नीचे अन्नपूर्णा ग्रामीण नगरपालिका तक पहुंचाया। अब ये सभी स्थानीय लॉज में ठहरे हुए हैं और सभी स्वस्थ बताए जा रहे हैं। इनके स्वास्थ्य की जांच की गई है। हालांकि, खराब मौसम के कारण अभी उनका घर लौटना संभव नहीं है।

इस्राइली विदेश मंत्री गिदोन सार 4 नवंबर को आएंगे भारत

येरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया के गाजा में जारी तनाव के बीच इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार 4 नवंबर को दिवसीय दौरे पर भारत आएंगे। इस दौरान गिदोन पीएम नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे। जयशंकर और गिदोन के बीच इसी साल फरवरी में म्यूनिख में हुए सुरक्षा सम्मेलन के बाद यह दूसरी मुलाकात होगी। मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी। खासतौर पर हूती विद्रोहियों की ओर से समुद्री व्यापार मार्ग पर हमले से निपटने और इस्राइल में कामगारों की कमी पर बात होगी।

भारत–अमेरिका के बीच ऐतिहासिक समझौता, दोनों देशों में 10 साल के रक्षा सहयोग ढांचे पर बनी सहमति

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच एक 10 वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। दोनों देशों के रिश्तों के लिए इसे अहम समझौता बताया जा रहा है। अमेरिका के युद्ध मंत्री ने समझौते पर हस्ताक्षर के बाद कहा कि दोनों देशों के रक्षा संबंध इतने मजबूत कभी नहीं रहे। अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि उनकी भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात हुई और एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुआ समझौता क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा।

हिंदू पत्नी को छोड़ देंगे अमेरिकी उपराष्ट्रपति? भारतीय मूल की छात्रा ने उड़ाईं वेंस की धज्जियां, तीखी बहस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के एक साधारण से लगने वाले बयान ने सोशल मीडिया पर बखेड़ा खड़ा कर दिया है। मिसिसिपि विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम के दौरान, जब एक छात्रा ने उनकी हिंदू पत्नी ऊषा वेंस के धर्म के बारे में सवाल पूछा, तो वेंस ने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि ऊषा एक दिन ईसाई धर्म को अपना लेंगी। यह बयान न सिर्फ उनके वैवाहिक जीवन पर सवाल खड़े कर रहा है, बल्कि 2028 के राष्ट्रपति चुनाव की राजनीति को भी नया मोड़ दे रहा है। क्या वेंस अपनी महत्वाकांक्षाओं के लिए अपनी पत्नी को त्याग देंगे? यह सवाल अब अमेरिकी मीडिया, सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में गूंज रहा है, जहां धार्मिक असहिष्णुता, नस्लवाद और क्रिश्चियन फर्स्ट लेडी की मांग जैसी बहसें तेज हो गई हैं।

वेंस बोले- उम्मीद है एक दिन उनकी हिंदू पत्नी उषा ईसाई धर्म अपना लेंगी : अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने उम्मीद जताई कि एक दिन उनकी हिंदू पत्नी उषा वेंस कैथोलिक चर्च से प्रभावित होकर ईसाई धर्म अपना लेंगीं। मिसीसिपी के कार्यक्रम में एक भारतवंशी महिला ने उनसे पूछा था कि क्या ऊषा कभी ईसा मसीह के पास आएंगी? इस पर वेंस ने जवाब दिया कि वे अब ज्यादातर रविवार को उनसे साथ चर्च जाती हैं। वे चाहते हैं कि एक दिन उनकी पत्नी भी उसी वजह से चर्च जाएं जिस वजह से वे चर्च जाते हैं। वेंस ने कहा कि वे ईसाई धर्म पर यकीन रखते हैं और उन्हें यकीन है कि उनकी पत्नी भी इस पर यकीन करेंगी। वेंस ने यह भी कहा कि उनकी पत्नी का दूसरे धर्म में यकीन रखना उनके लिए कोई समस्या पैदा नहीं करता। वेंस खुद ने 2019 में कैथोलिक धर्म अपनाया था। वे इससे पहले खुद को नास्तिक मानते थे। वेंस और उनकी पत्नी की शादी 2014 में हुई थी। वेंस के 3 बच्चें (2 बेटे और 1 बेटी) हैं। इन्हें ईसाई तरीके से पाला गया है। वे एक ईसाई स्कूल में भी पढ़ते हैं।

जेडी वेंस-ऊषा वेंसः एक हिलबिली और हिंदू की प्रेम कहानी : जेडी वेंस और ऊषा चिलुकुरी की मुलाकात 2013 में येल लॉ स्कूल में हुई थी। वेंस हिलबिली एलेजी किताब के लेखक हैं। अमेरिका में हिलबिली शब्द का इस्तेमाल ग्रामीण पहाड़ी क्षेत्रों के श्वेत लोगों के लिए होता। यह किताब गरीबी और संकटग्रस्त अमेरिकी परिवारों और संस्कृति पर केंद्रित हैं, जिसमें ग्रामीण केंटकी से ओहियो के एक औद्योगीकृत शहर में आए एक परिवार की कहानी बताई गई है। वेंस एक श्वेत अमेरिकी हैं जिनका बचपन ओहियो के गरीबी और अस्थिर परिवार में बीता। वहीं ऊषा की बात करें तो वे कैलिफोर्निया में जन्मी भारतीय-अमेरिकी तेलुगु मूल की हैं। उनके माता-पिता राधाकृष्णा और लक्ष्मी चिलुकुरी भारत से अमेरिका आए थे। ऊषा ने हमेशा अपनी हिंदू जड़ों पर गर्व किया। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था, मेरे माता-पिता का हिंदू धर्म उन्हें इतना अच्छा इंसान बनाता है। दोनों ने 2014 में शादी की, जिसमें ईसाई और हिंदू दोनों रस्में शामिल थीं। वेंस ने पहले ऊषा की आस्था को अपनी जिंदगी का संदर्भ बताया था। 2024 के चुनाव अभियान में, उन्होंने कहा कि ऊषा की हिंदू अनुशासन ने उन्हें ईसाई धर्म की ओर लौटने में मदद की। वेंस खुद 2019 में कैथोलिक बने थे, लेकिन ऊषा हमेशा हिंदू रहीं। तीन बच्चों को वे ईसाई परंपराओं में पाल रहे हैं। वेंस के मुताबिक दो बच्चे ईसाई स्कूल में पढ़ते हैं। ऊषा अक्सर वेंस के साथ चर्च जाती हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट कहा है, मैं अपनी पारिवारिक आस्था नहीं छोड़ूंगी। ऊषा वेंस अमेरिकी इतिहास की पहली एशियन-अमेरिकी और हिंदू सेकंड लेडी बनीं। जनवरी 2025 में वेंस के उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद, उन्होंने अपनी बौद्धिक क्षमता से सबको प्रभावित किया। एक वकील के रूप में, वे सुप्रीम कोर्ट में क्लर्क रह चुकी हैं। लेकिन राजनीति ने उनके वैवाहिक जीवन को जटिल बना दिया। विवाद का केंद्रः टर्निंग पॉइंट यूएसए इवेंट 29 अक्टूबर को, मिसिसिपी के ऑक्सफोर्ड में टर्निंग पॉइंट यूएसए के कार्यक्रम में वेंस ने चार्ली किर्क की विधवा एरिका किर्क के साथ चर्चा की। चार्ली किर्क टर्निंग पॉइंट यूएसए के संस्थापक थे जिनकी हाल ही में हत्या कर दी गई थी। इस कार्यक्रम के दौरान एक छात्रा ने पूछा, आपकी पत्नी हिंदू हैं, जबकि आप ईसाई। आपके बच्चे ईसाई हैं- क्या आप चाहते हैं कि ऊषा भी धर्म परिवर्तन करें?

इस पर वेंस ने जवाब दिया, जब हम मिले, तो हम दोनों नॉट पर्टिकुलरली रिलिजियस थे। ऊषा का परिवार हिंदू था, लेकिन बहुत धार्मिक नहीं। अब, अधिकांश रविवार को ऊषा मेरे साथ चर्च जाती हैं। मैं आशा करता हूं कि वह भी ईसाई धर्म से प्रभावित हो जाएं, जैसे मैं हुआ। लेकिन अगर नहीं, तो भगवान ने फ्री विल दी है। यह बयान वायरल हो गया। वेंस ने ऊषा को एग्नॉस्टिक बताया, जबकि ऊषा ने खुद को प्रैक्टिसिंग हिंदू कहा है। सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई।

एपस्टीन कांड में घिरे प्रिंस एंड्रयू से छिन जाएगी शाही उपाधि, क्या है विवाद और कौन से हक छिनेंगे

लंदन, एजेंसी। किंग चार्ल्स तृतीय के छोटे भाई एंड्रयू कई तरह के विवादों में घिरे हैं। एंड्रयू से अब प्रिंस की उपाधि छिन जाएगी और उन्हें विंडसर कैसल परिसर में बने अपने घर रॉयल लॉज से भी बाहर जाना होगा। बकिंघम पैलेस ने गुरुवार को इस बात की घोषणा की। बकिंघम पैलेस की ओर से यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब कुछ दिन पहले ही एंड्रयू (65 वर्षीय) ने अपनी शाही उपाधि ड्यूक ऑफ यॉर्क और बाकी सभी शाही सम्मान भी छोड़ने का फैसला किया है। यह फैसला किंग चार्ल्स से चर्चा के बाद लिया गया था। एंड्रयू का नाम अमेरिकी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़ने के कारण लगातार विवादों में रहा था। हालांकि, विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा था। ब्रिटेन के सांसदों ने भी हाल ही में इस बात पर बहस की कि एंड्रयू को आम लोगों की तुलना में शाही घर में रहने के लिए बहुत कम किराया देना पड़ता है।

एंड्रयू को अब रॉयल लॉज में रहने की अनुमति नहीं : बकिंघम पैलेस ने अपने बयान में कहा, आज महामहिम ने प्रिंस एंड्रयू की उपाधि, सम्मान और सभी शाही अधिकार औपचारिक रूप से वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अब एंड्रयू को एंड्रयू माउंटबेटेन विंडसर के नाम से जाना जाएगा। एंड्रयू को अब रॉयल लॉज में रहने की अनुमति नहीं

रही। अब उन्हें वह घर छोड़कर किसी निजी मकान में रहना होगा। पैलेस ने कहा कि यह फैसला जरूरी है, भले ही एंड्रयू अब भी अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को नकारते हैं। बयान में कहा गया कि महामहिम राजा और रानी यह साफ करना चाहते हैं कि उनका पूरा समर्थन और सहानुभूति उन सभी पीड़ितों और जीवित बचे लोगों के साथ है, जिन्होंने किसी भी तरह के अत्याचार का सामना किया है। एंड्रयू पहले ही हिज रॉयल हाइनेस की उपाधि का इस्तेमाल बंद कर चुके हैं और पांच साल पहले ही उन्होंने सार्वजनिक जीवन से दूरी बना ली थी। इस महीने की शुरुआत में उन्होंने घोषणा की थी कि वह अपनी बाकी सभी शाही उपाधियां भी छोड़ देंगे। हालांकि उन्होंने फिर से सभी आरोपों से इनकार किया। एंड्रयू दिवंगत क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय के पुत्र हैं। परंपरागत रूप से उन्हें प्रिंस की उपाधि मिली थी, जैसा कि 1917 में किंग जॉर्ज पंचम की ओर से जारी आदेश में तय किया गया था।

नासा ने सफलतापूर्वक किया सुपरसोनिक विमान का परीक्षण, व्यवसायिक उड़ान उद्योग में आ सकता है बड़ा बदलाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा कम आवाज करने वाला सुपरसोनिक विमान बनाने के और करीब पहुंच गई है। हाल ही में नासा ने सुपरसोनिक जेट विमान का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। ये विमान आवाज की गति से उड़ान भरता है और खास बात ये है कि इसकी आवाज भी आम सुपरसोनिक विमानों से काफी कम है। अगर सबकुछ सही रहता है तो इससे व्यवसायिक उड़ान यात्रा में बड़ा बदलाव हो सकता है। इस सुपरसोनिक विमान का निर्माण नासा और अमेरिकी हथियार और एयरोस्पेस निर्माता कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने मिलकर किया है। बीते मंगलवार को इसकी दक्षिणी कैलिफोर्निया के रेगिस्तान के ऊपर सफल परीक्षण उड़ान हुई। गौरतलब है कि 1940 के दशक से ही विमान सुपरसोनिक गति से उड़ान भरने में सक्षम रहे हैं। लेकिन इन सुपरसोनिक विमानों की बहुत तेज आवाज के चलते व्यवसायिक यात्रा के लिए इन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। दरअसल इन विमानों की तेज आवाज डरावना सोनिक बूम पैदा करती है, जिससे लोग परेशान होते हैं और कई बार लोग डर भी जाते हैं। यही वजह रही कि सुपरसोनिक विमानों को प्रतिबंधित कर दिया गया। ब्रिटिश एयरवेज और एयर फ्रांस के सुपरसोनिक विमान कॉनकॉर्ड ने 1970 के दशक में अटलांटिक के ऊपर उड़ानें शुरू कीं। लेकिन तीन साल पहले हुई एक दुर्घटना के बाद और इसकी महंगी सेवा की मांग कम होने के कारण साल 2003 में उन्हें रोक दिया गया। अगर नासा और लॉकहीड मार्टिन सुपरसोनिक विमानों के शोर को कम करने में सफल हो जाते हैं, तो इन सुपरसोनिक विमानों से न्यूयॉर्क शहर और लॉस एंजिल्स के बीच यात्रा के समय लगभग आधा हो सकता है, जिससे व्यवसायिक हवाई यात्रा उद्योग में बड़े बदलाव होंगे। नासा और लॉकहीड मार्टिन द्वारा बनाया गया सुपरसोनिक विमान एक्स-59 आवाज की गति से भी तेज उड़ने में सक्षम है। लॉ मंगलवार को टेस्ट फ्लाइट में विमान की आवाज काफी धीमी रही। इस उड़ान का मकसद विमान की संरचनात्मक मजबूती का भी परीक्षण करना था। यह विमान परीक्षण उड़ान में लॉस एंजिल्स से लगभग 60 मील उत्तर में पामडेल में लॉकहीड मार्टिन के एक परिसर से उड़ा और रेगिस्तान के ऊपर से गुजरते हुए।

गर्लफ्रेंड की परफॉर्मेंस देखने सरकारी जेट से पहुंचे एफबीआई चीफ काश पटेल, जमकर हो रही आलोचना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल एक बार फिर से विवादों में हैं। इस बार मामला उनकी प्रेमिका से जुड़ा हुआ है। ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि पेंनसिल्वेनिया में एक कुश्ती मैच के दौरान अपनी गर्लफ्रेंड की गायकी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए काश पटेल ने सरकारी जेट का उपयोग किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कथित एफबीआई जेट पहले नैशविले गया था, जहां पर पटेल की प्रेमिका रहती हैं। काश पटेल के खिलाफ यह दावा एफबीआई के पूर्व एजेंट काइल सेराफिन ने किया है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट पर लिखा कि पटेल, रियल अमेरिकन फ्री स्टाइल कुश्ती में अपनी प्रेमिका एलेक्सिस विल्किंस की सिंगिंग को देखने के लिए 60 मिलियन डॉलर के

एफबीआई जेट से पहुंचे थे।

आलोचक ने काश पटेल के अंदाज में लिखा पोस्ट : सोशल मीडिया बायो में अपने आप को पूर्व एफबीआई एजेंट बताने वाले सेराफिन ने कहा कि पटेल की यह यात्रा सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का एक हिस्सा है। उन्होंने काश पटेल और उनकी गर्लफ्रेंड की फोटो को पोस्ट करते हुए एफबीआई निदेशक के अंदाज में लिखा, ÷प्रिय एफबीआई कर्मचारियों, मुझे खेद है कि सरकार से धन नहीं मिल रहा है, इसलिए आपको वेतन नहीं मिलेगा। सौभाग्य से, इससे वास्तविक अमेरिकी फ्रीस्टाइल कुश्ती नहीं रुकती! इसलिए मैं एफबीआई जेट से स्टेट कॉलेज, पीए गया, अपनी प्रेमिका के साथ समय बिताया, और फिर नैशविले के लिए उड़ान भरी, जहां वह रहती है, आपका काश! प्रेमिका के साथ सरकारी विमान से घूम रहे थे काश पटेलः रिपोर्ट्स गौरतलब है कि ट्रंप की टीम का हिस्सा भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक और एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल अपनी प्रेमिका के साथ इस कार्यक्रम में मौजूद थे। यहां से उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें भी शेयर की थीं। इस कार्यक्रम की शुरुआत में काश पटेल की प्रेमिका विल्किंस ने एक सिंसिंग प्रस्तुति भी दी थी। द इंडिपेंडेंट के अनुसार, न्याय विभाग में रजिस्टर्ड एक जेट विमान ने 25 अक्तूबर को वर्जीनिया के मानसास क्षेत्रीय हवाई अड्डे से स्टेट कॉलेज क्षेत्रीय हवाई अड्डे तक लगभग 40 मिनट की उड़ान भरी। लगभग ढाई घंटे बाद, जेट विमान स्टेट कॉलेज से नैशविले के लिए रवाना हुआ, जहाँ विल्किंस रहती हैं। एफबीआई नीति के तहत, निदेशक को सुरक्षा कारणों से आधिकारिक विमान का उपयोग करना आवश्यक है, लेकिन किसी भी व्यक्तिगत यात्रा के लिए उसे बाजार के रेट पर सरकार को इसका भुगतान करना होगा।

ट्रंप प्रशासन ने अश्वेतों के आंदोलन पर तेज की जांच, धांधली के आरोपों की पड़ताल कर रहा है न्याय विभाग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का न्याय विभाग जांच कर रहा है कि क्या ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन के नेता 2020 में प्रदर्शन के दौरान दान देने वालों से मिले करोड़ों डॉलर का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। आंदोलन से परिचित कई लोगों ने यह जानकारी दी।

कई संगठनों को कानूनी नोटिस और वारंट : पिछले कुछ हफ्तों में संघीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने ब्लैक लाइव्स मैटर ग्लोबल नेटवर्क फाउंडेशन और अन्य ब्लैक-नेतृत्व वाली संस्थाओं के खिलाफ कानूनी नोटिस और एक तलाशी वारंट जारी किया। ये संगठन 2020 में नस्लीय अन्याय के खिलाफ राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल थे। यह स्पष्ट नहीं है कि इस जांच का परिणाम आपराधिक मामला बनकर सामने आएगा या नहीं, लेकिन इसकी वजह से आंदोलन पर फिर से लोगों का ध्यान में आ गया है।

बाइडन प्रशासन में शुरू हुई थी जांच : यह जांच ऐसे समय में हो रही है, जब हाल ही में नागरिक अधिकार समूहों ने चिंता जताई है कि ट्रंप प्रशासन उन प्रगतिशील और वामपंथी समूहों को निशाना बना सकता है, जो उसकी आलोचना करते हैं। इनमें ब्लैक लाइव्स मैटर, ट्रांसजेंडर अधिकार आंदोलन और आईसीई विरोधी प्रदर्शनकारी शामिल हैं। न्याय विभाग के प्रवक्ताओं ने गुरुवार को इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। एक सूत्र ने बताया कि यह जांच बाइडन प्रशासन के दौरान शुरू हुई थी, लेकिन अब ट्रंप प्रशासन में इसे नए सिरे से शुरू किया जा रहा है। दूसरे सूत्र ने पुष्टि की कि बाइडन प्रशासन के समय भी आरोपों की समीक्षा की गई थी।

संगठन पर छह मिलियन डॉलर की संपत्ति खरीदने का आरोप : फाउंडेशन ने कहा कि जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के बाद उन्हें 2020 में 90 मिलियन डॉलर से अधिक दान प्राप्त हुआ। आलोचकों ने आरोप लगाया कि संगठन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह रकम कैसे खर्च की गई। आलोचना तब और बढ़ गई जब 2022 में फाउंडेशन के नेताओं ने पुष्टि की कि उन्होंने दान से लॉस एंजिल्स क्षेत्र में छह मिलियन डॉलर का संपत्ति खरीदी, जिसमें छह बेडरूम और बाथरूम वाला घर शामिल है।

इन नेताओं ने पहले किसी गलत काम से इनकार किया और सार्वजनिक रूप से कर दस्तावेज जारी किए। अब फाउंडेशन के नेताओं को कानूनी नोटिस मिले हैं। फाउंडेशन ने बयान में कहा कि वह किसी भी संघीय आपराधिक जांच का निशाना नहीं है। उन्होंने कहा, हम ब्लैक समुदायों के लिए बेहतर भविष्य बनाने में संसाधनों की जिम्मेदार देखभाल, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

नीदरलैंड्स के पीएम बन सकते हैं समलैंगिक रॉब जेटन

एम्सटर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड्स में सेंट्रिस्ट लिबरल डेमोक्रेट्स 66 पार्टी के नेता रॉब जेटन अगले पीएम बन सकते हैं। एग्जिट पोल्स के मुताबिक, उनकी पार्टी को करीब 30 सीटें मिल सकती हैं, जो कट्टर दक्षिणपंथी नेता गीर्ट वाइल्डर्स की पार्टी फॉर फ्रीडम के बराबर है। अगर यह एग्जिट पोल असल आंकड़ों में बदलते हैं तो 38 साल के रॉब देश के सबसे युवा और पहले ओपनली गे (खुले तौर पर समलैंगिक) पीएम भी बनेंगे। जेटन की अगले साल उनके मंगेतर निकोलस कीनन से शादी होने वाली है। निकोलस अर्जेंटीना की पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी हैं। यह रिजल्ट गीर्ट वाइल्डर्स के लिए बड़ा झटका होगा। उन्होंने अपना चुनावी कैंपेन मुस्लिम अप्रवासियों, समलैंगिकों और जलवायु परिवर्तन की नीतियों के खिलाफ चलाया था। 2022 में नूपुर शर्मा ने जब पैगंबर मोहम्मद पर विवादित बयान दिया था, तब गीर्ट वाइल्डर्स ने खुलकर उनका समर्थन किया था।

टिकटॉक वीडियो वायरल हुआ तो फेमस हुए : साल 2021 में, जेटन और उनके एक साथी डच राजनेता के बीच का एक ब्रोमांस वाला ट्रेंडिंग वीडियो टिकटॉक पर बहुत वायरल हुआ था। इसमें दोनों नेता एक दूसरे के साथ मस्ती करते, हंसते और डांस करते दिखे थे। वीडियो वायरल होने के बाद रॉब जेटन युवाओं के बीच मशहूर हो गए। उसी दौरान जेटन की मुलाकात हॉकी प्लेयर निकोलस कीनन से हुई। कीनन अर्जेंटीना की नेशनल टीम में खेलने के अलावा यूरोपीय लीग में भी खेलते हैं। कीनन ने एक सुपरमार्केट में जेटन को पहचान लिया और वहीं से बातचीत शुरू

हुई। जेटन ने बाद में एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें नहीं पता था कि एक टिकटॉक ट्रेंड से उनकी जिंदगी इतनी बदल जाएगी। पिछले साल नवंबर 2024 में दोनों की सगाई हुई। जेटन ने अपने चुनावी कैंपेन में पॉजिटिव मैसेजिंग पर जोर दिया था। उनका इलेक्शन स्लोगन हां, हम कर सकते हैं काफी फेमस हुआ था। उन्होंने आवास संकट, हेल्थकेयर खर्च, माइग्रेशन और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर फोकस किया। जेटन ने कहा- हमने दिखा दिया कि पॉपुलिस्ट और एक्सट्रीम-राइट को हराना संभव है। लाखों डच लोगों ने नेगेटिव पॉलिटिक्स को नकार दिया और आगे बढ़ने का रास्ता चुना। आवास संकट से निपटने के लिए जेटन ने 10 नए शहर बनाने, हर साल 2 अरब यूरो खर्च करने और 1 लाख घर बनाने का वादा किया है। रॉब जेटन का जन्म 1987 में हुआ था। वे डी66 पार्टी के लीडर हैं, जो प्रोग्रेसिव और लिबरल विचारों वाली पार्टी है। जेटन ने अपनी राजनीतिक शुरुआत 2017 में सांसद बनकर की। 2022 से 2024 तक वे जलवायु और ऊर्जा मंत्री रहे। जनवरी 2024 से जुलाई 2024 तक डिप्टी पीएम भी रहे। पहले उन्हें रोबोट जेटन कहा जाता था क्योंकि वे कैमरे के सामने बोलने में थोड़े अटकने लगते थे, लेकिन इस बार उन्होंने इमेज चेंज की और लोगों से कनेक्ट किया।

इस्लामाबाद-काबुल के बीच सुलह की कोशिश, छह नवंबर को फिर होगी उच्च-स्तरीय बैठक

अंकारा, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी तनाव को कम करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता के बाद दोनों देशों ने युद्धविराम बनाए रखने पर सहमति जताई है। तुर्की के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इस समझौते की घोषणा की और कहा कि बातचीत में कतर और तुर्की ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों देश 6 नवंबर को फिर से इस्तांबुल में उच्च-स्तरीय बैठक करेंगे, जहां युद्धविराम लागू करने की रूपरेखा पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। बयान में कहा गया सभी पक्ष एक निगरानी और सत्यापन तंत्र पर सहमत हुए हैं, जिससे शांति बनाए रखने और उल्लंघन करने वाले पक्ष पर दंड लगाने की व्यवस्था की जाएगी।

सीमा पर तनाव और वार्ता की पृष्ठभूमि : हाल के दिनों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर तनाव बढ़ गया था। दोनों देशों की सेनाओं के बीच हुई गोलीबारी में दर्जनों सैनिकों और नागरिकों की मौत हुई थी। इस घटना के बाद तुर्की और कतर ने दोनों पक्षों को बातचीत के लिए एक बार फिर टेबल पर लाने का प्रयास किया। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने बताया कि कतर और तुर्की के आग्रह पर पाकिस्तान ने शांति प्रक्रिया को एक और मौका देने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की मुख्य मांग है कि अफगानिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए न होने दे।

दोनों देशों के बीच विवाद की जड़ : इस महीने की शुरुआत में काबुल में हुए विस्फोटों के बाद अफगान तालिबान सरकार ने पाकिस्तान पर हवाई हमलों का आरोप लगाया था। अफगान पक्ष का कहना था कि पाकिस्तान ने उसके पूर्वी बाजार पर भी बमबारी की, जिसमें कई नागरिक मारे गए। इसके जवाब में, अफगान बलों ने

पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की और दावा किया कि 58 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। हालांकि पाकिस्तान ने इस दावे को खारिज किया और कहा कि उसके 23 सैनिक मारे गए और अभियान आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए किया गया था।

कतर और तुर्की की मध्यस्थता से लौटी उम्मीदें : तनाव बढ़ने के बाद 19 अक्टूबर को कतर में हुई आपात वार्ता के दौरान युद्धविराम की घोषणा की गई थी। इसके बाद इस्तांबुल में चार दिन तक चली वार्ता मंगलवार को बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हुई थी, लेकिन अब दोनों देशों ने फिर से बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई है।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने पेशावर में कहा कि पाकिस्तान अपने सभी पड़ोसियों के साथ शांति चाहता है, लेकिन अफगान धरती से होने वाले आतंकवाद को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हाल के वर्षों में संयम बरता है और संबंधों को बेहतर बनाने के लिए कूटनीतिक और आर्थिक प्रयास किए हैं, लेकिन अफगान तालिबान ने इसके बजाय तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को समर्थन दिया है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने गुरुवार को बताया कि बलोचिस्तान में दो अभियानों में 18 आतंकियों को मार गिराया गया, जबकि बाजौर शहर में चार पाकिस्तानी तालिबान लड़ाके मारे गए, जिनमें एक हाई-वैल्यू टारगेट भी शामिल था। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इस्तांबुल वार्ता से स्थायी युद्धविराम का ढांचा तैयार हो जाता है, तो यह दक्षिण एशिया में स्थिरता की दिशा में एक बड़ी सफलता साबित होगी।

महिला वर्ल्ड कप 2025 का फाइनल आज, भारत-साउथ अफ्रीका आमने-सामने

मुंबई (एजेंसी)। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में रविवार को इतिहास रचने जा रहा है, जब भारत और साउथ अफ्रीका की महिला टीमें आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 के फाइनल में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले के साथ दुनिया को एक नई विश्व चैंपियन टीम मिलेगी, क्योंकि दोनों में से कोई भी टीम अब तक यह खिताब नहीं जीत सकी है। भारतीय टीम 2005 और 2017 के बाद तीसरी बार वनडे वर्ल्ड कप फाइनल खेल रही है, जबकि साउथ अफ्रीका पहली बार इस मुकाम तक पहुंचा है। घरेलू परिस्थितियों और हालिया फॉर्म को देखते हुए टीम इंडिया को खिताब जीतने का मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

महिला वनडे विश्व कप में यह पांचवां मौका है जब कोई मेजबान टीम फाइनल में पहुंची है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया (1988), इंग्लैंड (1993 और 2017) और न्यूजीलैंड (2000) ऐसा कर चुके हैं। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट के लीग चरण में सात में से तीन मुकाबले जीते और सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में टीम इंडिया ने मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर धमाकेदार अंदाज में फाइनल में प्रवेश किया। यह वही ऑस्ट्रेलियाई टीम थी, जिसने पूरे टूर्नामेंट में अब तक कोई मैच नहीं गंवाया था। दूसरी ओर, साउथ अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात में से पांच मुकाबले जीते और सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 125 रन से हराया। फाइनल में भारतीय टीम को अपनी स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्ज और कप्तान हरमनप्रीत कौर से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा और श्री चरणी की भूमिका अहम रहने वाली है। वहीं, साउथ अफ्रीका की टीम बल्लेबाजी में कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट और ताजमिन ब्रित्स पर निर्भर रहेगी, जबकि गेंदबाजी की कमान मारिजैन कप्प और नॉनकुलुलेको म्लाबा के हाथों में होगी।

अब तक के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो भारत और साउथ अफ्रीका की महिला टीमों के बीच 1997 से लेकर अब तक कुल 34 वनडे मुकाबले खेले गए हैं। इनमें भारत ने 20 बार जीत दर्ज की है, जबकि साउथ अफ्रीका को 13 मैचों में सफलता मिली है। एक मैच बेनतीजा रहा था। डीवाई पाटिल स्टेडियम में पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जा रही है, इसलिए टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद कर सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को आसमान में बादल रहेंगे और बारिश की संभावना भी है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। अगर बारिश की वजह से मैच पूरा नहीं हो पाता, तो 3 नवंबर को रिजर्व डे रखा गया है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत की टीम ~हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिगेज, ऋचा घोष, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, उमा छेत्री, शेफाली वर्मा।

साउथ अफ्रीका की टीम ~लौरा वोल्वाड्ट (कप्तान), अयाबांगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लार्क, मारिजैन कप्प, ताजमिन ब्रित्स, सिनालो जाफ्ता (विकेटकीपर), नॉनकुलुलेको म्लाबा, एनेरी डर्कसेन, ऐनी बॉश, मसबत क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगसे।

महिला वनडे विश्व कप 2025 का फाइनल मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे से शुरू होगा, जबकि टॉस 2~30 बजे होगा। यह ऐतिहासिक मैच स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव प्रसारित किया जाएगा और इसकी ऑनलाइन स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार पर उपलब्ध रहेगी। भारत के पास घरेलू मैदान पर अपना पहला विश्व कप खिताब जीतने का सुनहरा मौका है।

न्यूजीलैंड का इंग्लैंड पर क्लीन स्वीप, दो विकेट से जीता तीसरा वनडे

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को तीसरे वनडे में दो विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज़ 3-0 से अपने नाम कर ली। इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 222 रन पर सिमट गई।

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने 32 गेंदें शेष रहते 8 विकेट पर 226 रन बना लिए। जाक फोकेस (14*) और ब्लेयर टिकनेर (18*) ने टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले न्यूजीलैंड ने पहला वनडे चार विकेट से और दूसरा पांच विकेट से जीता था।

इंग्लैंड के बल्लेबाज एक बार फिर फ्लॉप रहे। टीम ने शुरुआती 10 ओवरों में ही चार विकेट 44 रन पर गंवा दिए। कप्तान हैरी ब्रूक की टीम के लिए जो रूट (2), बेन डकेट (8), जैमी स्मिथ (5) और जैकब बेथेल (11) रन ही बना सके। जोस बटलर ने 38 रन की उपयोगी पारी खेली जबकि ओवरटन और कार्स ने आठवें विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी की।

इंग्लैंड की हार के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली एशेज सीरीज़ से पहले टीम की बल्लेबाजी को लेकर चिंता बढ़ गई है।

हार का दर्द झेला है, अब जीत की खुशी का इंतजार : भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर

नवी मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उनकी टीम ने विश्व मंच पर हार का दर्द कई बार झेला है, लेकिन अब वे पहली बार विश्व कप जीतने की खुशी महसूस करने को तैयार हैं। रविवार को नवी मुंबई में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा, और दोनों टीमें पहली बार वनडे विश्व कप खिताब की दौड़ में हैं।

हरमनप्रीत ने कहा, 'हम हार का गम अच्छी तरह जानते हैं, लेकिन अब जीत की खुशी का स्वाद चखने का वक्त है। पूरी टीम ने कड़ी मेहनत की है और हम मैदान पर अपना सब कुछ झोंक देंगे।' भारत तीसरी बार फाइनल में पहुंचा है – 2005 और 2017 में टीम को हार झेलनी पड़ी थी। कप्तान ने कहा कि 'घरेलू सरजमीं पर फाइनल खेलना गर्व की बात है और टीम का मनोबल चरम पर है।' सेमीफाइनल में भारत ने सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रचा था। हरमनप्रीत ने कहा, 'फाइनल खेलना ही सबसे बड़ी प्रेरणा है। यह टीम एकजुट है और इस पल का लुत्फ उठाने के लिए तैयार है।'

अर्शदीप की वापसी पर सबकी नजरें, हेजलवुड की गैरमौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजों को राहत की उम्मीद

–तीसरा अंतरराष्ट्रीय टी20 आज

होबार्ट (एजेंसी)। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के तीसरे टी20 से बाहर होने के बाद भारतीय बल्लेबाजों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को होबार्ट में खेले जाने वाले निर्णायक मुकाबले में कुछ राहत मिल सकती है। हेजलवुड की सटीक लाइन और अतिरिक्त उछाल ने मेलबर्न में भारतीय बल्लेबाजों को मुश्किल में डाल दिया था। हालांकि अब उनके आराम पर जाने से टीम इंडिया को सांस लेने का मौका मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज को ध्यान में रखते हुए हेजलवुड को विश्राम दिया गया है। इस बीच भारतीय टीम की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को आखिरकार मौका मिलेगा या नहीं, क्योंकि उन्हें लगातार बाहर रखने को लेकर आलोचनाएं तेज हो गई हैं।

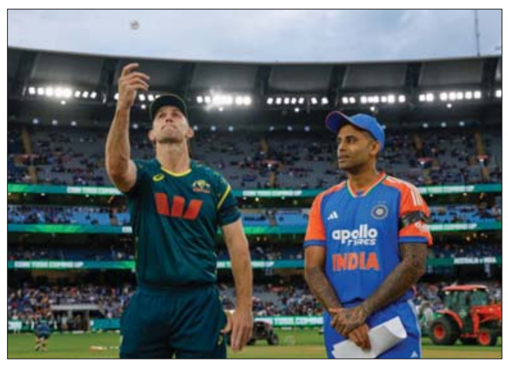

दूसरे टी20 में ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने भारतीय शीर्ष क्रम को झकझोर दिया था। हालांकि सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा कि हेजलवुड का सामना करना बेहद कठिन था और उनकी अनुपस्थिति भारतीय बल्लेबाजों के लिए राहत की बात होगी। अब भारतीय बल्लेबाजों को जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस और सीन एबॉट जैसे गेंदबाजों से निपटना होगा, जिनकी गति और उछाल हेजलवुड जितनी खतरनाक नहीं मानी जाती। कप्तान सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल के सामने बड़ी चुनौती अपनी फॉर्म लौटाने की है। दोनों को अतिरिक्त उछाल और सीम मूवमेंट का सामना करने में परेशानी हो रही है। होबार्ट के बेलेरिव ओवल की सीमाएं अपेक्षाकृत छोटी हैं, जिससे आक्रामक बल्लेबाजों को फायदा मिल सकता है। यही मैदान वह ऐतिहासिक स्थल भी है जहां विराट कोहली ने 2012 में श्रीलंका के खिलाफ 133 रन की नाबाद पारी खेली थी।

भारतीय टीम प्रबंधन की 'बल्लेबाजी की गहराई' वाली रणनीति अब सवालों के घेरे में है। मेलबर्न में टीम के तीन स्पिनरों के साथ उतरने और अर्शदीप को बाहर रखने के फैसले ने कई पूर्व खिलाड़ियों को हैरान कर दिया। रविचंद्रन अश्विन ने कहा, 'अगर जसप्रीत बुमराह खेल रहे हैं, तो अर्शदीप दूसरे नंबर पर होने चाहिए, और अगर बुमराह नहीं खेल रहे हैं तो पहले।'

हर्षित राणा को प्राथमिकता देने पर भी बहस जारी है। पिछले मैच में उन्होंने 33 गेंदों पर 35 रन बनाए, लेकिन स्ट्राइक रोटेशन और गेंदबाजी में निरंतरता की कमी साफ दिखी। अब सवाल यही है कि क्या टीम प्रबंधन तीसरे मैच में अर्शदीप को मौका देगा। होबार्ट की परिस्थितियों को देखते हुए जहां स्विंग मिलने की संभावना रहती है, वहां अर्शदीप की मौजूदगी भारतीय टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलियाः मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, ग्लेन मैक्सवेल, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट और मार्कस स्टोइनिस।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है लक्ष्य : दीपिका

नई दिल्ली। देश की शीर्ष महिला तीरंदाज तीरंदाज दीपिका कुमारी ने कहा है कि उनका लक्ष्य आगामी लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है। दीपिका ने कहा कि वह इसी को देखते हुए दबाव वाले हालातों से निपटने के लिए मानसिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान दे रही हैं। चार बार की ओलंपियन दीपिका के अनुसार लॉस एंजिलिस ओलंपिक में उनके लिए पदक जीतने का अंतिम अवसर होगा। ऐसे में वह अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखेंगी। इसी वह इस बार नहीं तो अभी नहीं की मानसिकता के साथ उतरेंगी। दीपिका ने कहा कि अभी निकट भविष्य में उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है अब तक की सभी प्रतियोगिताओं से मुझे अच्छा अनुभव मिला है। दीपिका ने बताया कि उनकी वर्तमान ट्रेनिंग में मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं को बेहतर करने पर काम हो रहा है। इस तीरंदाज ने कहा, 'मैं अपने खेल के मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर काम कर रही हूं और यह प्रीमियर लीग मुझे और बेहतर बनाने में मदद कर रही है। दर्शकों के सामने खेलने से दबाव तो आता है, लेकिन यही दबाव खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करता है। उन्होंने कहा, 'मैं हर तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिश कर रही हूं, जिससे दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन किया जा सके।

13 से 15 दिसंबर तक हो सकती है आईपीएल नीलामी : रिपोर्ट

मुम्बई। आईपीएल 2026 सत्र के लिए नीलामी 13 से 15 दिसंबर के बीच होने की संभावना हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इस 19 वें सत्र के लिए खिलाड़ियों के रिटेंशन के लिए 15 नवंबर तक की समय सीमा रखी गयी है। इसमें अधिकतर टीमें अपने मुख्य खिलाड़ियों को बनाए रखते हुए कुछ बदलावों के साथ सामने आ सकती हैं। ये भी माना जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों में स्थिति और साफ होगी। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की ओर से अभी तारीखों की आधिकारिक रुप से पुष्टि नहीं की गई है पर अधिकांश टीमें अपनी तैयारियों में लग गयी हैं। ये भी कहा जा रहा है कि पिछले दो सालों में आईपीएल की नीलामी विदेशों में हुई थी पर इस बार ये देश में ही होने की संभावना है हालांकि इस पर अभी तक कोई फैसला नहीं आया है। इस बार बड़े स्तर पर टीमों में बदलाव की उम्मीद नहीं की जा रही है पर चेन्नई सुपर किंग्स सहित कुछ फ्रेंचाइज़ियां अपनी टीम में बड़े फेरबदल कर सकती हैं। पिछले सीज़न में सबसे नीचे रही सीएसके इस बार नई रणनीति से उतर सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसके दीपक हुड्डा, विजय शंकर साहित कुछ और खिलाड़ियों को रिलीज़ कर सकती है क्योंकि पिछले सत्र में इनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। आर अश्विन के संन्यास लेने से टीम उनकी जगह किसी और स्पिनर को जगह दे सकती है। इस बीच, ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर भी सबकी नज़रें टिकी हैं। चोट के कारण वे पिछले ऑक्शन में शामिल नहीं हो पाए थे, लेकिन अब उनकी वापसी के साथ एक बार फिर भारी बोली लगने की उम्मीद है। अधिकांश फ्रेंचाइज़ियां अब अपने स्क्वॉड में खाली स्लॉट और पर्स का संतुलन बनाने में जुटी हुई हैं। सभी टीमें अपने कोर खिलाड़ियों को बनाए रखने के अलावा नये खिलाड़ियों को भी अवसर दे सकती हैं।

धमाकेदार हैट्रिक लेने के बाद भी अनजान थे रोमारियो शेफर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही तीन मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला शुक्रवार, 31 अक्टूबर की रात चट्टोग्राम के बीर श्रेष्ठो फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतीउर रहमान स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेफर्ड ने इतिहास रचते हुए हैट्रिक झटकी और बांग्लादेश को मात देकर अपनी टीम को 3-0 की सीरीज जीत दिलाई।

शेफर्ड की यह हैट्रिक बेहद खास रही क्योंकि उन्होंने इसे दो अलग-अलग ओवरों में पूरा किया। दिलचस्प बात यह रही कि उन्हें खुद इस बात का अंदाजा नहीं था कि उन्होंने हैट्रिक हासिल कर ली है, जब तक उनके साथी खिलाड़ियों ने उन्हें इस उपलब्धि के बारे में नहीं बताया। उन्होंने 17वें ओवर की आखिरी गेंद पर नूरुल हसन को आउट किया और फिर पारी के आखिरी ओवर की पहली दो गेंदों पर तंजीद हसन और शोरीफुल इस्लाम को पवेलियन भेजते हुए यह कारनामा पूरा किया। रोमारियो शेफर्ड वेस्टइंडीज के लिए टी20 इंटरनेशनल में हैट्रिक लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि जेसन होल्डर ने हासिल की थी। शेफर्ड ने मैच के बाद कहा, ÷मुझे तब तक नहीं पता था कि मैंने हैट्रिक ली है, जब तक साथियों ने बताया नहीं। मैं बस आखिरी ओवर में अपनी टीम को बढ़त दिलाने पर ध्यान दे रहा था। जिस तरह से कप्तान रोस्टन और युवा ऑगस्टे ने बल्लेबाजी की, वह शानदार था। टीम का भविष्य उज्ज्वल दिख रहा है।÷

मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन उनकी शुरुआत कमजोर रही। पूरी टीम निर्धारित 20 ओवरों में 151 रन पर सिमट गई। हालांकि ओपनर तंजीद हसन ने 89 रनों की शानदार पारी खेली, मगर उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 25 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। बांग्लादेश के नौ बल्लेबाज तो सिंगल डिजिट में ही आउट हो गए। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और 16.5 ओवरों में सिर्फ पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ कैरेबियाई टीम ने तीन मैचों की टी20 सीरीज को 3-0 से अपने नाम कर बांग्लादेश का सूपड़ा साफ किया। शेफर्ड की हैट्रिक और वेस्टइंडीज के ऑलराउंड प्रदर्शन ने इस मुकाबले को यादगार बना दिया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे बड़े रन मशीन बने बाबर, रोहित शर्मा को पछाड़ा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज बाबर आजम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है। उन्होंने भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। बाबर की यह उपलब्धि उनके लगातार प्रदर्शन और बल्लेबाजी की स्थिरता का प्रमाण है, जिसने उन्हें टी20 के महान खिलाड़ियों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम ने साल 2016 से 2025 के बीच 130 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 39.57 की औसत से 4,234 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से तीन शतक और 36 अर्धशतक निकले। बाबर ने अब तक 448 चौके और 73 छक्के जड़े हैं, जो उनकी तकनीकी कुशलता और स्थिरता का प्रतीक हैं। दूसरे स्थान पर हैं भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, जिन्होंने 2007 से 2024 के बीच 159 टी20 मैच खेले और 32.05 की औसत से 4,231 रन बनाए। रोहित टी20 में पांच शतक और 32 अर्धशतक जड़ चुके हैं। वे ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल के साथ संयुक्त रूप से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। अपनी कप्तानी में भारत को विश्व कप दिलाने वाले रोहित ने सीमित ओवरों के फॉर्मेट में कई ऐतिहासिक पारियां खेली हैं। तीसरे स्थान पर विराट कोहली हैं, जिन्हें रन मशीन कहा जाता है। उन्होंने 2010 से 2024 के बीच 125 टी20 मैचों में 48.69 की शानदार औसत से 4,188 रन बनाए। कोहली के नाम एक शतक और 38 अर्धशतक दर्ज हैं। उनके बल्ले से 369 चौके और 124 छक्के निकले हैं, जो उनकी क्लास और निरंतरता को दर्शाते हैं। इंग्लैंड के जोस बटलर इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने 2011 से 2025 के बीच 144 टी20 मैचों में 3,869 रन बनाए हैं। बटलर ने 35.49 की औसत से खेलते हुए एक शतक और 28 अर्धशतक लगाए हैं। वहीं, पांचवें स्थान पर आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग हैं, जिन्होंने 2009 से अब तक 153 मैचों में 3,710 रन बनाए हैं। उनके नाम एक शतक और 28 अर्धशतक दर्ज हैं। इस तरह बाबर आजम ने अपने निरंतर प्रदर्शन से टी20 क्रिकेट में एक और मील का पत्थर हासिल किया है, जिससे पाकिस्तान क्रिकेट इतिहास में उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया है।

महिला विश्वकप : भारत ट्रॉफी जीतने का पूरा हकदार: अभिषेक शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया है। सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर भारत ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के फाइनल में जगह बनाई। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए इस सेमीफाइनल में जेमिमा रोड्रिग्स ने 134 गेंदों में नाबाद 127 रन की शानदार पारी खेलते हुए टीम को वनडे इतिहास की सबसे बड़ी रन-चेज तक पहुंचाया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 89 रनों का अहम योगदान दिया, जिससे भारत ने ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीम को मात दी और फाइनल में जगह पक्की की।

भारतीय पुरुष टीम के ओपनर अभिषेक शर्मा ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए दूसरे टी20 के बाद महिला टीम की इस जीत पर गर्व जताया। उन्होंने कहा कि पूरी पुरुष टीम ने यह मुकाबला देखा और हर किसी को महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन से प्रेरणा मिली। अभिषेक ने कहा, 'हम सभी मैच देख रहे थे। जिस तरह से भारत ने रन-चेज किया, वैसा शायद महिलाओं के क्रिकेट में पहले कभी नहीं देखा गया। जेमिमा, हरमन और स्मृति ने शानदार बल्लेबाजी की, और बीच के बल्लेबाजों ने भी बेहतरीन कैमियो खेले। पूरी टीम ने परिपक्वता और टीमवर्क दिखाया यही उनकी सबसे बड़ी ताकत रही।'

भारतीय टीम की यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक थी। ऑस्ट्रेलिया, जिसने पिछले 15 महिला वनडे विश्व कप मैचों में लगातार जीत दर्ज की थी, उसे भारत ने इस सेमीफाइनल में पहली बार पराजित किया। निर्णायक क्षणों में भारत की रणनीति और आत्मविश्वास ने मैच का पासा पलट दिया। मैच के अंतिम ओवरों में लिए गए कोचिंग फैसले ने टीम को विजय दिलाने में अहम भूमिका निभाई, जिससे ऑस्ट्रेलिया का घमंड टूट गया।

अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम 2 नवंबर को नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल खेलेगी। घरेलू दर्शकों के समर्थन और हालिया प्रदर्शन के दम पर टीम पहली बार विश्व कप ट्रॉफी जीतने की

दहलीज पर है। अभिषेक शर्मा ने कहा, 'महिलाओं की टीम ने जो किया है, वह प्रेरणादायक है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ जिस तरह खेला, उसे देखकर गर्व होता है। मुझे लगता है कि वे ट्रॉफी जीतने की पूरी तरह हकदार हैं और इस बार भारत कप अपने घर लाने वाला है।'

श्रेयस अय्यर को सिडनी के अस्पताल से मिली छुट्टी... फॉलोअप के लिए सिडनी में ही रहने वाले

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सिडनी के अस्पताल से छुट्टी हो गई है। अय्यर 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के दौरान कैच पकड़ने के दौरान चोटिल हो गए थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, अब उनकी (अय्यर) हालत स्थिर है। वह अच्छी तरह से रिकवरी कर रहे हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम, सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के साथ, उनके स्वास्थ्य लाभ से खुश है। उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। मैदान पर गिरने से अय्यर की स्प्लीन में गंभीर चोट आई थी, इसके बाद आंतरिक रक्तस्राव हुआ। इस चोट की तुरंत पहचान कर ली गई थी। अय्यर को आईसीयू में भर्ती कराया गया। एक मामूली सर्जरी के बाद रक्तस्राव तुरंत बंद कर दिया गया। इसके साथ ही बीसीसीआई ने अय्यर का इलाज कर रहे डॉक्टर्स, खासकर सिडनी में डॉ. कौरौश हाघीगी और उनकी टीम के साथ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला का धन्यवाद किया। इस बीच, अय्यर फॉलोअप के लिए सिडनी में ही रहने वाले है। पूरी तरह से फिट होने के बाद ही वह भारत लौट पाएंगे। श्रेयस ने गंभीर चोट से उबरने के दौरान अपने शुभचिंतकों के समर्थन के लिए आभार जताया था। उन्होंने लिखा, मैं अभी स्वास्थ्य लाभ की प्रक्रिया में हूं। हर गुजरते दिन के साथ बेहतर होता जा रहा हूं। शुभकामनाओं और समर्थन के लिए मैं बहुत आभारी हूं। यह सच में मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

रोहन बोपन्ना ने कहा अलविदा: दो दशक लंबे सुनहरे करियर का हुआ अंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से संन्यास की घोषणा कर दी है। उनके इस ऐलान के साथ ही दो दशक से भी ज्यादा लंबे शानदार करियर का अध्याय समाप्त हो गया। 45 वर्षीय बोपन्ना ने इंस्टाग्राम पर एक भावनात्मक संदेश साझा करते हुए लिखा, 'अलविदा... पर अंत नहीं। आप किसी ऐसी चीज को कैसे अलविदा कहेंगे, जिसने आपके जीवन को एक अर्थ दिया? हालांकि, टूर पर 20 अविस्मरणीय वर्षों के बाद अब समय आ गया है। मैं आधिकारिक तौर पर अपना संन्यास ले रहा हूं।' उन्होंने आगे लिखा, 'जब मैं यह लिख रहा हूं, मेरा दिल एक साथ भारी भी है और आभारी भी।'

कर्नाटक के कूर्ग से ताल्लुक रखने वाले बोपन्ना ने अपने संघर्ष और मेहनत की यात्रा को याद करते हुए बताया कि उन्होंने लकड़ी के लट्ठे काटकर अपनी सर्विस को मजबूत किया और कॉफी के बागानों में दौड़कर अपनी फिटनेस बनाई। उनके शब्दों में झलकता है कि यह सफर आसान नहीं था, लेकिन सपनों को पूरा करने का जुनून उन्हें आगे बढ़ाता रहा। बोपन्ना ने लिखा, 'टेनिस मेरे लिए सिर्फ एक खेल नहीं रहा। इसने मुझे दिशा दी जब मैं भटका हुआ था, हिम्मत दी जब मैं टूटा था, और विश्वास दिलाया जब दुनिया ने मुझ पर शक किया। इस खेल ने मुझे धैर्य, दृढ़ता और आत्मविश्वास सिखाया।'

बोपन्ना का करियर कई उपलब्धियों से भरा रहा। उन्होंने 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल खिताब जीता, जबकि चार बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे। इसके अलावा, उन्होंने 2012 और 2015 में महेश भूपति और फ्लोरिन मर्जिया के साथ एटीपी फाइनल्स में फाइनल मुकाबले खेले। 43 वर्ष की उम्र में बोपन्ना ने विश्व नंबर 1 रैंकिंग हासिल कर एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कई बार भारत का प्रतिनिधित्व डेविस कप और ओलंपिक खेलों में भी किया। अपना आखिरी टूर्नामेंट उन्होंने पेरिस मास्टर्स 1000 में खेला, जहां उन्होंने एलेक्जेंडर बुब्लिक के साथ जोड़ी बनाई थी। बोपन्ना के संन्यास के साथ भारतीय टेनिस में एक स्वर्णिम युग का समापन हुआ है। उन्होंने अपने जुनून, समर्पण और अनुशासन से नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का रास्ता बनाया है। उनका यह सफर बताता है कि छोटे शहर से निकलकर भी अगर हिम्मत और मेहनत हो, तो दुनिया का कोई भी मंच जीतना असंभव नहीं।

स्टारलिंक ने बेंगलुरु में फाइनेंस और अकाउंटिंग पदों के लिए हायरिंग शुरू की

नई दिल्ली एलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की सहायक कंपनी स्टारलिंक ने भारत में हायरिंग अभियान शुरू कर दिया है। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कंपनी फाइनेंस और अकाउंटिंग विभाग के विभिन्न पदों पर कैंडिडेट्स की तलाश कर रही है। खाली पदों में अकाउंटिंग मैनेजर, पेमेंट्स मैनेजर, सीनियर ट्रेजरी एनालिस्ट और टैक्स मैनेजर शामिल हैं। कंपनी के अनुसार अकाउंटिंग मैनेजर भारत में स्टारलिंक के ऑपरेशंस को सपोर्ट करेगा और फाइनेंशियल रिपोर्टिंग, अकाउंटिंग तथा वैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करेगा। सभी पद केवल बेंगलुरु के ऑफिस के लिए हैं और रिमोट या हाइब्रिड वर्क की अनुमति नहीं है। स्टारलिंक का उद्देश्य लो-लेटेंसी सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सर्विसेज के माध्यम से तेज़ इंटरनेट सेवा देना है।

विमान ईंधन महंगा, दिल्ली में अब 94,543 प्रति किलोलीटर

नई दिल्ली तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार से विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतें बढ़ा दी हैं। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में कीमत 777 रुपये बढ़कर 94,543.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है, जबकि अक्टूबर में इसे 3 फीसदी से अधिक बढ़ाया गया था। कोलकाता में कीमत 97,549.18 रुपये प्रति किलोलीटर, मुंबई में 88,447.87 रुपये और चेन्नई में 98,089.68 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। इस वृद्धि से एयरलाइन कंपनियों की लागत बढ़ेगी और संभावना है कि हवाई टिकटों की कीमतों में भी असर पड़े। विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों और सरकारी नीतियों के अनुसार यह रुझान आगे भी जारी रह सकता है।

अनोंदिता मेडिकेयर के शेयरों में तूफानी तेजी

आईपीओ से 300 फीसदी से अधिक उछाल

मुंबई कंडोम निर्माता अनोंदिता मेडिकेयर के शेयरों में हाल के दिनों में जोरदार तेजी देखी जा रही है। कंपनी के शेयर शुक्रवार को एनएसई पर 5 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 595.70 रुपए पर पहुंच गए। एनएसई पर शुक्रवार को 2,19,000 शेयर खरीदने के ऑर्डर पेंडिंग थे। 1 सितंबर 2025 को लिस्ट होने वाले शेयर आईपीओ प्राइस 145 रुपए से शुरू होकर केवल दो महीने में 600 रुपए के करीब पहुंच गए हैं। कंपनी का आईपीओ 22 अगस्त से 26 अगस्त 2025 तक खुला था। आईपीओ पर कुल 300.89 गुना दांव लगा। आम निवेशकों का कोटा 286.20 गुना, गैर-संस्थागत निवेशकों में 531.82 गुना और क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स में 153.03 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। आईपीओ के बाद प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 83.95 फीसदी से घटकर 61.71 फीसदी रह गई। अनोंदिता मेडिकेयर पुरुषों और महिलाओं के लिए फ्लेवर्ड कंडोम बनाती है। कोबरा ब्रांड के तहत कंपनी अपने फ्लैगशिप प्रोडक्ट्स बेचती है। कंपनी सालाना 562 मिलियन कंडोम का उत्पादन करती है और अपने प्रोडक्ट्स को दक्षिणपूर्व एशिया, अफ्रीका और मिडिल ईस्ट सहित अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात करती है।

एमफैसिस का मुनाफा 10.8 फीसदी बढ़ा

मुंबई आईटी कंपनी एमफैसिस ने 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 469 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। कंपनी का परिचालन राजस्व 10.3 प्रतिशत बढ़कर 3,902 करोड़ रुपये हो गया। एमफैसिस के एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि एआई में हमारे शुरुआती निवेश से बदलाव चाहने वाले ग्राहकों के लिए कंपनी ने अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत की है। एक और मजबूत तिमाही रही जिसमें 52.8 करोड़ डॉलर के कुल अनुबंध मूल्य (टीसीवी) का सौदा मिला। यह हमारे एआई फर्स्ट दृष्टिकोण का प्रमाण है जो विविध उद्योगों में व्यावसायिक परिणाम दे रहा है।

भारत का राजकोषीय घाटा नियंत्रण में, आर्थिक वृद्धि का रास्ता साफ

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल-सितंबर में राजकोषीय घाटा 5.73 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया, जो पूरे वर्ष के बजट लक्ष्य का 36.5 प्रतिशत है। यह घटता राजकोषीय घाटा अर्थव्यवस्था में स्थिरता और विकास के लिए सकारात्मक संकेत है। अप्रैल-सितंबर में सरकार की कुल प्राप्तियां 17.30 लाख करोड़ रुपए और कुल व्यय 23.03 लाख करोड़ रुपए रही। यह क्रमशः बजट में निर्धारित लक्ष्य का 49.5 प्रतिशत और 45.5 प्रतिशत है। पिछले वर्ष की समान अवधि में व्यय 21.1 लाख करोड़ रुपए था। कुल राजस्व 16.95 लाख करोड़ रुपए रहा, जिसमें कर राजस्व 12.29 लाख करोड़ और गैर-कर राजस्व 4.66 लाख करोड़ रहा।

RBI से 2.69 लाख करोड़ रुपए का लाभांश प्राप्त होने से गैर-कर राजस्व में वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के 2.11 लाख करोड़ से अधिक है। सरकार ने राजमार्गों, बंदरगाहों और रेलवे परियोजनाओं पर खर्च बढ़ाया, जिससे आर्थिक विकास में मदद मिलेगी। घटता राजकोषीय घाटा सरकार की उधारी को कम करता है, जिससे बैंकिंग प्रणाली में ऋण उपलब्धता बढ़ती है और उपभोक्ता व कॉर्पोरेट निवेश को बढ़ावा मिलता है।

अमेरिकी तेल कंपनियों के मुनाफे में भारी गिरावट

न्यूयॉर्क अमेरिका के आर्थिक संकट के दौर में हर तरफ से बुरी खबरें आ रही है। अमेरिका में अभी शटडाउन चल रहा है। लाखों लोग बिना वेतन के काम कर रहे हैं। इसका कोई हल नहीं निकल पाया है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था में सभी तरफ से नकारात्मक समाचार सुनने को मिल रहे हैं। हाल ही में अमेरिका की तेल कंपनियां पिछले साल के मुकाबले इस साल कम लाभ देने वाली कंपनियों में पहचान बना रही हैं। अमेरिकी कंपनियों की एस×पी 500 सूचकांक ने 48 फ़ीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं शेवरान, एक्सान मोबिल सहित कई अमेरिकी तेल कंपनियों और गैस कंपनियों ने मात्र 14 फीसदी का रिटर्न दिखाया है। यूरोपीय कंपनियों में बीपी,शेल और टोटल एनजींस का भी यही हाल है। यूक्रेन पर रुसी हमले के बाद तेल और गैस कारोबार को भारी धक्का लगा है। तेल कंपनियों की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। कच्चे तेल और गैस के दामों में लगातार कमी देखने को मिल रही है जिसके कारण हालात और भी खराब होती जा रही है।

3 नवंबर से बदले यूपीआई के नियम, अब ट्रांजेक्शन होंगे और तेज़

रिफंड जल्दी मिलेगा, एनपीसीआई ने सेटलमेंट प्रक्रिया में किया बड़ा बदलाव

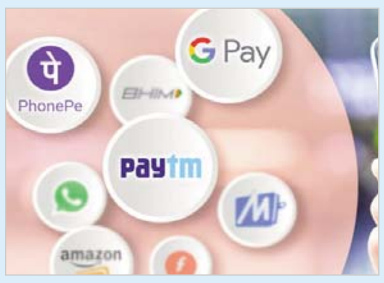

नई दिल्ली 3 नवंबर से यूपीआई ट्रांजेक्शन नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूपीआई की सेटलमेंट प्रक्रिया को और तेज़ व पारदर्शी बनाने के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब तक रोजाना 10 आरटीजीएस सेटलमेंट साइकल में ऑथराइज्ड यानी सही और डिस्प्यूट यानी विवादित ट्रांजेक्शन एक साथ प्रोसेस होते थे, जिससे देरी होती थी। अब एनपीसीआई ने इन्हें अलग-अलग साइकल में बाँट दिया है। पहले दस साइकल सिर्फ ऑथराइज्ड ट्रांजेक्शन के लिए होंगे। वहीं, विवादित ट्रांजेक्शन के लिए दो नए साइकल बनाए गए हैं, डीसी1 (मिडनाइट से दोपहर 4 बजे तक) और डीसी2 (दोपहर 4 से मिडनाइट तक)। फाइल नेमिंग में अब इनका अलग पहचान कोड जोड़ा जाएगा। इस बदलाव से सेटलमेंट प्रोसेस समय पर पूरी होगी, विवादों का समाधान तेज़ी से होगा और ग्राहकों को रिफंड जल्दी मिलेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे डिजिटल पेमेंट सिस्टम अधिक भरोसेमंद बनेगा और फिनटेक कंपनियों को नई सेवाएं जैसे क्रेडिट ऑन यूपीआई, बीएनपीएल और ईएमआई लॉन्च करने में आसानी होगी।

सेंसेक्स और निफ्टी में सप्ताहभर उतार-चढ़ाव रहा

वैश्विक संकेतों ने निवेशकों को किया प्रभावित

मुंबई

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन देखा, जिसमें सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक वैश्विक आर्थिक संकेतों और विदेशी निवेश प्रवाह से प्रभावित रहे। सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी मुद्रास्फीति रिपोर्ट उम्मीद से कमजोर आई, जिससे फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं मजबूत हुईं और वैश्विक बाजारों में तेजी देखने को मिली। सोमवार को सेंसेक्स 84,482.64 अंक पर खुला और 84,778.84 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 25,880.15 अंक से 25,966.05 अंक पर समाप्त हुआ। मंगलवार को अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौते की उम्मीद और फेड की कटौती की संभावनाओं ने बाजार को शुरुआती कारोबार में बढ़त दी, लेकिन अंत में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों गिरावट में बंद हुए। बुधवार को फेड की ब्याज दर पर कोई तत्काल निर्णय न होने और विदेशी निवेश प्रवाह से बाजार ने तेजी दिखाई, सेंसेक्स 84,997.13 अंक पर और निफ्टी 26,053.90 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, गुरुवार को विदेशी पूंजी निकासी और फेड के अनिश्चित संकेतों के चलते बाजार में गिरावट आई। सेंसेक्स 84,404.46 अंक पर और निफ्टी 25,877.85 अंक पर बंद हुआ। सप्ताह के अंत, शुक्रवार को बाजार सपाट रुख के साथ बंद हुआ, जिसमें सेंसेक्स 83,938.71 अंक और निफ्टी 25,722.10 अंक पर समाप्त हुए। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों की धारणा वैश्विक संकेतों, ब्याज दरों और विदेशी पूंजी प्रवाह पर निर्भर रही। सप्ताहभर के उतार-चढ़ाव ने यह साफ किया कि बाजार में विदेशी आर्थिक नीतियों और घरेलू निवेश प्रवाह का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है। आने वाले सप्ताह में वैश्विक आर्थिक घटनाओं और फेड के संकेतों पर बाजार की नजरें रहेंगी।

एसीसी का मुनाफा बढ़कर 1,119 करोड़ हुआ

मुंबई

अंबुजा सीमेंट की सहायक कंपनी एसीसी का वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में मुनाफा 460.6 प्रतिशत बढ़कर 1,119.23 करोड़ रुपये हो गया। इसमें वृद्धि उच्च प्रीमियम बिक्री और पहले की अवधियों से जुड़े कर समायोजन के कारण हुई। एसीसी ने अदालती फैसलों के बाद इस अवधि में अपनी कर देनदारियों और प्रावधानों का फिर से मूल्यांकन किया। इन फैसलों के आधार पर प्रबंधन ने तय किया कि पिछले वर्षों के कुछ प्रावधानों की अब जरूरत नहीं है और पिछली अवधियों से संबंधित कर समायोजन और बट्टे खाते वाले 658.42 करोड़ रुपये (31 मार्च, 2025 तक 12.36 करोड़ रुपये) फिर से खाते में ले लिए गए। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में एसीसी का कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) सालाना आधार पर 139.2 प्रतिशत बढ़कर 763 करोड़ रुपये हो गया। तिमाही के लिए एसीसी का राजस्व 5,932 करोड़ रुपये रहा जो पिछले साल की तुलना में 23.8 प्रतिशत अधिक है और दूसरी तिमाही में अब तक का सर्वोच्च स्तर है। एसीसी ने बताया कि वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में सीमेंट की मांग मध्यम रही और सालाना 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जीएसटी को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने से आर्थिक धारणा में सुधार हुआ है।

विश्लेषकों के 295.4 करोड़ रुपये के अनुमान से कहीं ज्यादा लाभ रहा। राजस्व भी विश्लेषकों के 5,307.7 करोड़ रुपये के अनुमान से अधिक रहा।

नायरा एनर्जी ने रिफाइनरी क्षमता बढ़ाई, रूसी तेल पर निर्भरता जारी

नई दिल्ली रूस समर्थित भारतीय रिफाइनर नायरा एनर्जी ने अपनी वाडिनार रिफाइनरी में कच्चे तेल के प्रसंस्करण को 90-93 फीसदी तक बढ़ा दिया है। यह कदम इस साल की शुरुआत में यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के बाद परिचालन में आई गिरावट के बाद उठाया गया। जुलाई में ईयू प्रतिबंधों के कारण रिफाइनरी क्षमता 70-80 फीसदी तक घट गई थी। प्रतिबंधों से पहले यह संयंत्र अपनी क्षमता का 104 फीसदी तक चला करता था। तेल प्रसंस्करण में गिरावट से नायरा के तेल निर्यात पर असर पड़ा। प्रमुख आपूर्तिकर्ता जैसे इराक और सऊदी अरब ने कंपनी को कच्चे तेल की बिक्री रोक दी। नायरा रिफाइनरी केवल रूसी तेल से संचालित हो रही है। यह तेल रोसनेफ्ट ने उपलब्ध कराया, जिसके पास नायरा में 49.13 फीसदी हिस्सेदारी है। अमेरिका ने रोसनेफ्ट पर भी प्रतिबंध लगाया है। नायरा गैर-स्वीकृत संस्थाओं के माध्यम से रूसी तेल खरीदना जारी रख सकती है, हालांकि भुगतान का तरीका स्पष्ट नहीं है।

कमर्शियल सिलेंडर के दाम पांच रुपए घटे, अब 1,590.50 रुपए प्रति सिलेंडर

नई दरें 1 नवंबर 2025 से लागू

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी का असर अब भारत के ऊर्जा क्षेत्र पर भी दिखाई देने लगा है। नवंबर 2025 की शुरुआत के साथ ही देश की तीनों सरकारी तेल विपणन कंपनियों–इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 5 रुपए की कटौती की है। नई दरों के अनुसार दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1,595.50 रुपए से घटकर 1,590.50 रुपए हो गई है।

कोलकाता में यह अब 1,694, मुंबई में 1,542 और चेन्नई में 1,750 रुपए प्रति सिलेंडर हो गई है। सभी महानगरों में 5 प्रति सिलेंडर की समान राहत दी गई है। नई दरें 1 नवंबर 2025 से लागू हो गई हैं।

हालांकि, घरेलू एलपीजी (14.2 किलो सिलेंडर) के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। तेल कंपनियों के अनुसार हाल के हफ्तों में कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने के कारण एलपीजी की उत्पादन लागत में कमी आई है। चूंकि एलपीजी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस प्रोसेसिंग का उप-उत्पाद है, इसलिए क्रूड की कीमतों में गिरावट का सीधा असर इस पर पड़ता है। इसीलिए कंपनियों ने होटल, रेस्टोरेंट और छोटे व्यवसायों को राहत देने के लिए कमर्शियल सिलेंडर सस्ता करने का निर्णय लिया है।

वहीं, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। दिल्ली में घरेलू रसोई गैस का 14.2 किलो वाला सिलेंडर अब भी 853 प्रति यूनिट पर उपलब्ध रहेगा।

दुबई से भारत का चावल महंगे दाम में खरीद रहा बांग्लादेश

राजनीतिक तनाव के चलते ट्रेड मार्ग बदला

ढाका

मोहम्मद यूनुस के बांग्लादेश के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत और ढाका के बीच संबंधों में खटास आई। इसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश ने भारत से सीधे चावल आयात को कम कर दिया। सरकार का कहना है कि यह कदम भारत के साथ ट्रेड डेफिसिट को बढ़ने से रोकने के लिए लिया गया। बांग्लादेश फूड मिनिस्ट्री की योजना के अनुसार 100,000 टन चावल आयात किया जाएगा। इसमें 50,000 टन पारबॉयल्ड चावल म्यांमार से और 50,000 टन नॉन-बासमती पारबॉयल्ड चावल दुबई से खरीदा जाएगा। दुबई से खरीद का मूल्य यूएसडी 355.99 प्रति टन है, जबकि म्यांमार से यूएसडी 376.50 प्रति टन। कुल लागत लगभग 323 करोड़ रुपये होगी। विशेषज्ञों के अनुसार दुबई अपना अधिकांश चावल भारत से इम्पोर्ट करता है। बांग्लादेश को भारत से सीधे खरीदने का विकल्प मौजूद होने के बावजूद उसे एक इंटरमीडियरी कंपनी के जरिए दुबई से लेना पड़ रहा है। यह कदम अतिरिक्त खर्च पैदा कर रहा है और जनता के पैसों की बर्बादी माना जा रहा है। खाद्य विभाग के प्रोक्योरमेंट डायरेक्टर मोहम्मद मोनिरुज्जमां का कहना है कि सप्लायर का ऑफिस दुबई में है। चावल का स्रोत भारत है। मीडिया रिपोर्ट आने पर हम क्या कह सकते हैं। सरकार का तर्क है कि यह कदम ट्रेड डेफिसिट को संतुलित करने और राजनीतिक तनाव कम करने के लिए आवश्यक था।

इस महीने नवंबर में 11 दिन बंद रहेंगे बैंक, जारी रहेंगी ऑनलाइन सेवाएं

रविवार, दूसरा और चौथा शनिवार सहित कुछ राज्य-विशेष

नई दिल्ली

अगर आप इस महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाने की योजना बना रहे हैं, तो पहले बैंक हॉलिडे की लिस्ट जरूर देख लें। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कैलेंडर के अनुसार इस महीने बैंकों में कुल 11 दिन अवकाश रहेगा। इनमें रविवार, दूसरा और चौथा शनिवार सहित कुछ राज्य-विशेष त्योहारों की छुट्टियां शामिल हैं। हालांकि ये छुट्टियां पूरे देश में एक समान नहीं होंगी। महीने की शुरुआत 1 नवंबर शनिवार से ही छुट्टी के साथ होगी, जब कर्नाटक में राज्योत्सव दिवस और उत्तराखंड में इगास-बगवाल मनाया जाएगा। इसके बाद 2 नवंबर को रविवार का साप्ताहिक अवकाश रहेगा। 5 नवंबर बुधवार को गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, झारखंड, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर सहित कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। 7 नवंबर को मेघालय में वांगला फेस्टिवल के कारण अवकाश रहेगा, जबकि 8 नवंबर दूसरा शनिवार और 9 नवंबर रविवार होगा। 11 नवंबर को सिक्किम में बौद्ध पर्व ल्हाबाब दुचेन के चलते बैंक बंद रहेंगे। महीने के अंत में 16, 23 और 30 नवंबर को रविवार के अवकाश के अलावा 22 नवंबर को चौथे शनिवार का अवकाश रहेगा। बैंक बंद रहने के बावजूद ग्राहकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और एटीएम सेवाएं पहले की तरह जारी रहेंगी। हालांकि चेक क्लीयरिंग और अन्य ओवर-द-काउंटर सेवाएं इन दिनों प्रभावित रहेंगी। इसलिए, अगर आपको बैंक ब्रांच में जाकर कोई काम निपटाना है, तो अपनी योजना इन छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए बनाएं।

वोल्वो कंपनी 21 जनवरी को पेश करेगी ईएक्स 60 एसयूवी

नई दिल्ली

स्वीडिश कंपनी वोल्वो अपनी इलेक्ट्रिक लाइनअप में नया मॉडल जोड़ने जा रही है। वोल्वो कंपनी 21 जनवरी, 2026 को ईएक्स 60 पेश करेगी, जो कि एक्ससी60 एसयूवी का पूरी तरह इलेक्ट्रिक वर्जन है।

ईएक्स60 के लॉन्च के साथ वोल्वो अपने इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो को मजबूत करने की तैयारी कर रही है। यह प्रीमियम मिड-एसयूवी सेगमेंट में वोल्वो के वॉल्यूम गेम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

टीजर इमेज में ईएक्स60 में वोल्वो के सिग्नेचर हेडलैंप और टेल लैंप डिजाइन दिखाए गए हैं। इसकी शेप मौजूदा आईसीई एक्ससी 60 के स्क्वेयर लाइनों के मुकाबले ज्यादा क्रॉसओवर स्टाइल में है, जो कंपनी की भविष्य की एसयूवी डिज़ाइन भाषा का संकेत देती है। यह मॉडल ज्यादातर मार्केट के लिए वोल्वो के टॉर्सलैंडा प्लांट, गोथेनबर्ग के पास, में बनाई जाएगी। हालांकि भारत जैसी जगहों के लिए लोकल असेंबली की भी संभावना है, ताकि लागत और प्रतिस्पर्धी कीमत को संतुलित किया जा सके। भारतीय बाजार में वोल्वो की पकड़ अभी सीमित है, इसलिए कीमत कंपनी के लिए सबसे अहम कारक रहेगी।

ईएक्स60 से पहले, वोल्वो इंडिया 2026 में अपनी फ्लैगशिप ईएक्स90 एसयूवी लॉन्च करेगी। कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो क्यू3 2024 में वोल्वो का रेवेन्यू एसईके 86.4 बिलियन रहा, जो पिछले साल रिकॉर्ड किए गए एसईके 92.8 बिलियन से थोड़ा कम है। वहीं, ऑपरेटिंग इनकम पिछले साल के एसईके 5.8 बिलियन से बढ़कर सुधार दिखा, जो एसईके 18 बिलियन के कॉस्ट और कैश एक्शन प्लान के असर को दर्शाता है।

मैं हमेशा अपने किरदार और उसकी सच्चाई पर फोकस करती हूं

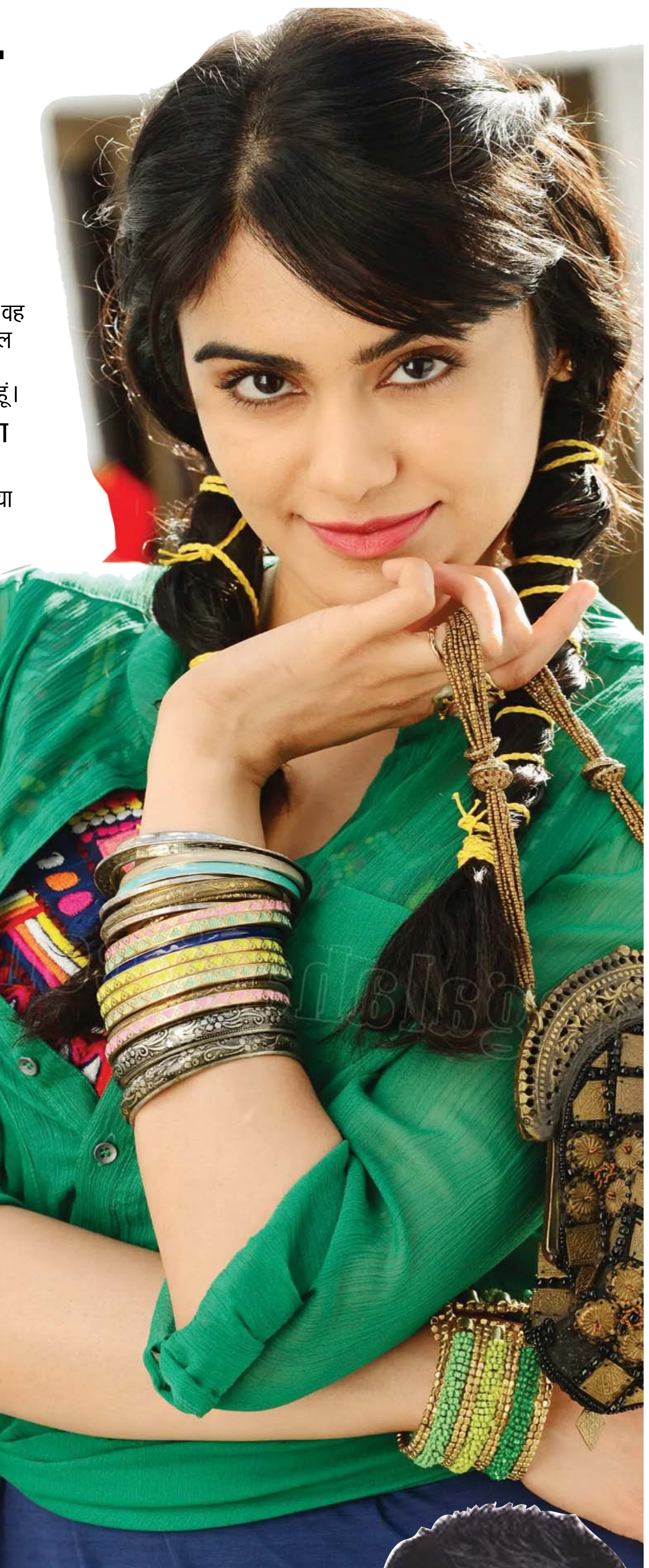

अदा शर्मा स्टारर फिल्म द केरला स्टोरी ने हाल ही में नेशनल अवॉर्ड हासिल किया। आगे वह एक इंटरनेशनल फिल्म में भी दिखेंगी। उनसे आगामी प्रोजेक्ट्स समेत कई पहलुओं पर हुई बातचीत...

द केरला स्टोरी को नेशनल अवॉर्ड मिलने का पल आपके लिए कैसा रहा?

यह बहुत ही खास होता है। मुझे लगता है कि सबसे पहले तो हमें दर्शकों की तरफ से ही अवॉर्ड मिल चुका था, क्योंकि इस फिल्म ने इतने सारे रिकॉर्ड तोड़े, वह सब तो दर्शकों ने ही करवाया था लेकिन असल में भी नेशनल अवॉर्ड मिला तो वह पहचान मिलना बहुत अच्छा लगता है। एक एक्टर के तौर पर और द केरला स्टोरी जैसी फिल्म के लिए बहुत ही स्पेशल महसूस होता है।

सुदीप्तो सेन बोले कि बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड आपको भी मिलना चाहिए था?

वह फिल्म के डायरेक्टर हैं, तो उनका प्यार और सपोर्ट बहुत नैचुरल है। यह एक कलेक्टिव एफर्ट था। द केरला स्टोरी सिर्फ मेरी नहीं, पूरे देश की फिल्म रही है। बिना बड़े प्रमोशन या मार्केटिंग के दर्शकों ने इसे हिट बनाया। इसलिए जो भी अवॉर्ड या कॉम्प्लिमेंट इसे मिल रहा है, उसे दर्शकों के साथ शेयर करती हूं।

जब ऐसे बोल्ड या संवेदनशील मुद्दे वाली फिल्में ऑफर होती हैं तो आपका क्या माइंडसेट रहता है?

मेरे लिए पहली फिल्म 1920 भी बोल्ड थी, क्योंकि पहली बार दर्शक मुझे देख रहे थे। मैं हीरोइन थी लेकिन मेरे अंदर भूत था। यह दिखाता है कि बोल्ड सिर्फ रोमांस या ग्लैमरस दिखने में नहीं है, बल्कि किरदार की सच्चाई में है। चाहे फिल्म रियल लाइफ पर बेस्ड हो या फिक्शनल, मैं हमेशा एक ही एप्रोच अपनाती हूं कि किरदार को रियल बनाना है। मेरी कोशिश यह रहती है कि दर्शक महसूस करें कि वह मेरे साथ वह पल जी रहे हैं। बोल्ड या संवेदनशील होने की चिंता मेरे लिए सेकेंडरी है। मैं हमेशा किरदार और उसकी सच्चाई पर फोकस करती हूं।

रीता सान्याल का सीजन 2 भी आने वाला है, इसके बारे में क्या कहेंगी?

हां, रीता सान्याल का सीजन 2 अनाउंस कर दिया गया है, तो मैं कह सकती हूं कि यह डेफिनेटली आएगा। इसके सीजन 1 को इतना प्यार मिला था, तो मुझे उम्मीद है कि सीजन 2 भी लोगों को उतना ही पसंद आएगा। द केरला स्टोरी के बाद लोगों ने शायद सोचा था कि मैं सिर्फ सीरियस चीजें ही करूंगी, इसलिए रीता सान्याल और सनफ्लावर सीजन 2 जैसे प्रोजेक्ट्स का मिलना अच्छा था। यह इसलिए भी अच्छा था क्योंकि लोगों ने मुझे उस अंदाज में भी देखा।

इन दिनों आप किन प्रोजेक्ट्स की शूटिंग कर रही हैं?

मैं अभी तीन फिल्में शूट कर रही हूं, पर मैं चाहती हूं कि प्रोड्यूसर्स ही उनके बारे में अनाउंस करें। जैसे द केरला स्टोरी, रीता सान्याल, उसके बाद सनफ्लावर भी रिलीज हुई थी। तब मैंने किसी को नहीं बताया था और फिर ट्रेलर के साथ हम लोग आए, तो सब लोग उत्साहित थे। हालांकि अभी मैं एक-दो हॉरर फिल्में कर रही हूं, जो एक-दूसरे से बहुत अलग हैं। मैं एक इंटरनेशनल एक्शन फिल्म भी कर रही हूं, एक रोमांटिक फिल्म भी कर रही हूं और एक ट्राइ-लैंग्वेज फिल्म भी कर रही हूं।

रोमांटिक फिल्म बनाना चाहते हैं अमर कौशिक

फिल्म स्त्री, भेड़िया, स्त्री 2 और बाला जैसी फिल्मों के निर्देशक अमर कौशिक ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी आगामी फिल्मों को लेकर कई खुलासे किए। इसके साथ ही अमर ने महावतार और मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स को लेकर भी कई बाते बताईं।

अमर कौशिक का बयान

एक इंटरव्यू में निर्देशक अमर कौशिक ने अपनी फिल्मों को लेकर कहा, मैं महावतार पर काम कर रहा हूं। मैंने बाला का निर्देशन किया है। मैं बाकी फिल्मों का निर्माण भी कर रहा हूं। लेकिन मैं (हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स) की दुनिया को नहीं छोड़ सकता क्योंकि लोगों ने इसे बहुत प्यार दिया है। मैं उस जिम्मेदारी को नजर अंदाज नहीं कर सकता। एक निर्देशक के तौर पर, मैं बहुत कुछ करना चाहता हूं, लेकिन मैं इस दुनिया को नहीं छोड़ सकता। मुझे इसे सुरक्षित रखना है। मैं रोमांटिक ड्रामा फिल्में भी बनाना चाहता हूं। इस फिल्म इंडस्ट्री में आठ साल हो गए हैं, मैं 80 साल की उम्र तक काम करते रहना चाहता हूं।

अमर कौशिक के बारे में

अमर कौशिक एक भारतीय फिल्म निर्माता-निर्देशक हैं। उन्हें मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्मों स्त्री, भेड़िया और स्त्री 2 के साथ-साथ फिल्म बाला का निर्देशन किया है। अमर ने 2008 में आमिर पर राज कुमार गुप्ता के सहायक निर्देशक के रूप में काम करते हुए अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। बहरहाल, अमर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म महावतार पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म में विक्की कौशल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

राजेश-डिंपल की पोती नाओमिका बॉलीवुड में करने जा रही हैं डेब्यू

बॉलीवुड की लेजेंडरी जोड़ी राजेश और डिंपल कपाड़िया की पोती नाओमिका सरन जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। यह उनकी पहली फिल्म मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले दिनेश विजान द्वारा प्रोड्यूस की जा रही रोमांटिक कॉमेडी होगी। फिल्म की शूटिंग 2026 के बीच में शुरू होने की संभावना है। फिल्म में नाओमिका के अपोजिट होंगे वेदांग रैना, जिन्हें आखिरी बार जिगरा में देखा गया था। रिपोर्ट के मुताबिक... नाओमिक पिछले एक साल से इस फिल्म के लिए अभिनय और डांस वर्कशॉप में तैयारी कर रही हैं, ताकि वह बड़े परदे पर पूरी तरह तैयार होकर कदम रखें। नाओमिका की मां हैं रिंकी खन्ना, जिन्होंने 1998 में प्यार में कभी कभी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। नाओमिका, ट्विंकल खन्ना और अक्षय कुमार की भतीजी भी हैं। हालांकि नाओमिका ने अब तक मीडिया की निगाहों से दूरी बनाए रखी थी लेकिन हाल ही में उनकी मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस विजिट्स ने उनके डेब्यू की अफवाहें बढ़ा दी हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस प्रोजेक्ट में पहले अगस्त्य नंदा अमिताभ बच्चन के पोते के रूप में कास्ट थे लेकिन शेड्यूलिंग और चर्चा के बाद इस भूमिका को वेदांग रैना से बदल दिया गया। सूत्रों के अनुसार... दोनों की ऑन-स्क्रीन कैमिस्ट्री टीम को बेहद पसंद आई। फिल्म के निर्माता दिने श विजन चाहते हैं कि नाओमिका का डेब्यू धीरे और प्रोफेशनल तरीके से हो, ताकि वह पूरी तरह तैयार होकर दर्शकों के सामने आएं।

संजय की फिल्म खलनायक 2 का निर्देशन नहीं करेंगे सुभाष

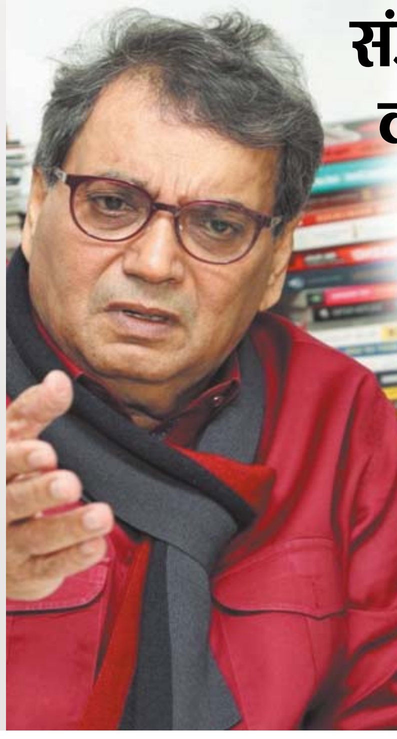

संजय दत्त ने कई सफल फिल्मों में काम किया है, उन्हीं में से एक है खलनायक, जिसमें उनकी जोड़ी माधुरी दीक्षित के साथ बनी थी। इस एक्शन फिल्म को सुभाष घई ने बनाया था। इसी फिल्म के बाद से संजय को हर कोई खलनायक कहने लगा था, उधर घई की फिल्मावली में भी चार चांद लग गए थे। अब फिल्म के सीक्वल पर निर्देशक ने खुलकर बात की और ये भी बताया कि वो इसका निर्देशन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा... खलनायक को एक सिनेमैटिक यूनिवर्स में ढालने की तैयारी चल रही है और सीक्वल को काफी बड़े स्तर पर बन रहा है। मैं इसे निर्देशित नहीं कर रहा हूं, क्योंकि मैं 80 साल का हूं। मैं बस रचनात्मक रूप से मार्गदर्शन कर सकता हूं। संजय दत्त सीक्वल में अभिनय करेंगे। हमसे कई बड़े स्टूडियो रीमेक और सीक्वल के लिए हमसे संपर्क कर रहे हैं। हमने एक स्टूडियो को इसके राइट्स देने का फैसला किया है। सुभाष बोले... अधिकारों में सीक्वल के लिए स्क्रिप्ट, किरदार, कथानक, कहानी, नाम, डायलॉग और संगीत शामिल हैं, इसलिए खलनायक के गीतों का इस्तेमाल दूसरे भाग में किया जा सकता है। 32 साल बाद एक बार फिर संजू बाबा को उसी अंदाज में देखना बेहद दिलचस्प होने वाला है।

फिल्म संक्रांतिकी वास्तुनम की आएंगे अक्षय हिंदी रीमेक में नजर

अक्षय कुमार एक बार फिर साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्म के हिंदी रीमेक में नजर आने वाले हैं। हाल ही में वे जॉली एलएलबी 3 में दिखे थे और अब उनकी अगली फिल्म को लेकर चर्चा है कि उन्होंने तेलुगु सुपरस्टार वेंकटेश दग्गुबाती की इसी साल रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म संक्रांतिकी वास्तुनम के हिंदी रीमेक के लिए हामी भर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह फिल्म एक एक्शन-कॉमेडी ड्रामा होगी। सूत्रों का कहना है... अक्षय को फिल्म की कहानी और ट्रीटमेंट काफी पसंद आया। उन्होंने फिल्म देखने के बाद खुद इसका हिंदी रीमेक बनाने का वास्तुनम का निर्देशन अनिल रविपुड़ी ने किया था। फैसला किया। बता दें, मूल फिल्म संक्रांतिकी यह 14 जनवरी को रिलीज हुई थी और दुनियाभर में 250 से 300 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था। फिल्म की कास्टिंग प्रोसेस पर इस वक्त काम चल रहा है। फिलहाल लीड एक्ट्रेस को फाइनल नहीं किया गया है। शूटिंग पहले शुरू हो जानी थी लेकिन अक्षय के बिजी शेड्यूल के चलते इसे फिलहाल डिले किया गया है। अगले साल अक्षय भूत बंगला में भी नजर आएंगे। इसके अलावा उनके पास हैवान, फिर हेरा-फेरी और वेलकम टू द जंगल जैसी फिल्में भी कतार में हैं।

सरकार 4 में फिर साथ आएंगे अमिताभ और अभिषेक, राम गोपाल वर्मा ही करेंगे निर्देशन

अमिताभ बच्चन के 83वें जन्मदिन पर बॉलीवुड से एक बड़ी खबर आई है। राम गोपाल वर्मा अपनी चर्चित सरकार फ्रेंचाइज के चौथे भाग के साथ लौट रहे हैं। इस बार कहानी में सबसे बड़ा सरप्राइज यह है कि अमिताभ के साथ अभिषेक भी अपने लोकप्रिय किरदार शंकर नागरे के रूप में वापसी कर सकते हैं। दरअसल, सरकार राज (2008) में शंकर नागरे की मौत दिखाई गई थी, जिसके बाद फ्रेंचाइज की तीसरी फिल्म सरकार 3 एक अलग दिशा में चली गई थी।

स्क्रिप्ट हुई लॉक, 2026 के फर्स्ट हाफ में होगी शुरू

सूत्रों का कहना है कि अमिताभ और अभिषेक दोनों को नई कहानी की रूपरेखा सुनाई जा चुकी है और दोनों ने इस विचार को पसंद करते हुए प्रोजेक्ट के लिए मौखिक सहमति दे दी है। वहीं, राम जो शुरुआत में इस फिल्म को लेकर असमंजस में थे, उन्होंने भी नई स्क्रिप्ट को मंजूरी दे दी है। योजना के अनुसार, सरकार 4 की शूटिंग 2026 के फर्स्ट हाफ में शुरू हो सकती है। पहले सरकार 4 की जिम्मेदारी प्रकाश झा को सौंपने की बात चल रही थी लेकिन आखिरकार निर्माताओं ने इस प्रोजेक्ट को वापस राम को ही सौंपने का फैसला किया।

इस बार कहानी प्रीक्वल के तौर पर जा सकती है...

फिल्म की कहानी प्रीक्वल के तौर पर भी जा सकती है, जिसमें शंकर नागरे की पृष्ठभूमि और उसके सत्ता में आने की कहानी दिखाई जा सकती है। निर्माताओं ने कुछ समय पहले आदित्य रॉय कपूर को एक समानांतर भूमिका के लिए अप्रोच किया था लेकिन बाद में उस विचार को छोड़ दिया गया। अब फोकस पूरी तरह बच्चन परिवार की वापसी पर है, जिससे फ्रेंचाइज की मूल आत्मा बरकरार रहेगी। यह फ्रेंचाइज के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित होगी। अगला साल अमिताभ-अभिषेक के लिए बेहद व्यस्त साल साबित होने वाला है। बिग बी की झोली में पहले से कई बड़े प्रोजेक्ट हैं। जिनमें रामायण: पार्ट 1, जिसमें वह दशरथ की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अगले साल दीपावली तक रिलीज की उम्मीद है। ब्रह्मास्त्र 2 में भी वह गुरुजी के किरदार में दोबारा दिखेंगे। आंखें 2 में भी उनका किरदार निगेटिव शेड्स लिए होगा। कल्कि 2898 ष्ट 2 में भी बिग बी का किरदार आगे बढ़ेगा, जिसकी शूटिंग अगले साल शुरू होगी। वहीं, अभिषेक के लिए भी अगला साल काफी अहम रहेगा। वह किंग में विलन की भूमिका निभाते नजर आएंगे, जबकि धूम 4 में एसीपी जय दीक्षित बनकर फिर एक्शन करते दिखेंगे। इसके अलावा वह राजा शिवाजी जैसी फिल्म में भी हैं।

वर्मा भी डी कंपनी वेब सीरीज पर कर रहे काम

सरकार 4 के साथ राम गोपाल की मेनस्ट्रीम सिनेमा में बड़ी वापसी मानी जा रही है। इसे उनके पॉलिटिकल क्राइम यूनिवर्स के रूप में भी देखा जा रहा है। दूसरी ओर वर्मा सरकार 4 के अलावा अपने डिजिटल प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहे हैं। उनकी वेब सीरीज डी कंपनी मुंबई अंडरवर्ल्ड पर आधारित है। हालांकि, अब सबकी निगाहें सरकार 4 पर हैं जो संभवतः 2027 में रिलीज हो सकती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादक: जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in